INFUSION NOTES

WHEN ONLY THE BEST WILL DO

हरियाणा CET

COMMON ELIGIBILITY TEST

ग्रुप – C एवं ग्रुप – D पदों के लिए

भाग – I

भारत + विश्व सामान्य ज्ञान (GK) + विविध

प्रस्तावना

*प्रिय पाठकों, प्रस्तुत नोट्स "**हरियाणा CET (Common Eligibility Test)**" को एक विभिन्न अपने अपने विषयों में निपुण अध्यापकों एवं सहकर्मियों की टीम के द्वारा तैयार किया गया है / ये नोट्स पाठकों को **हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग (HSSC)**, द्वारा आयोजित करायी जाने वाली परीक्षा "**हरियाणा CET (Common Eligibility Test)**" भर्ती परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगें* **/**

अंततः सतर्क प्रयासों के बावजूद नोट्स में कुछ कमियों तथा त्रुटियों के रहने की संभावना हो सकती हैं / अतः आप सूचि पाठकों का सुझाव सादर आमंत्रित हैं/

प्रकाशकः

INFUSION NOTES

जयपुर, 302029 (RAJASTHAN)

मो : 01414045784, 9887809083

ईमेल : contact@infusionnotes.com

वेबसाइट : http://www.infusionnotes.com

मूल्य : ₹

संस्करण : नवीनतम

संविधान

1. ऐतिहासिक पृष्ठभूमि 1
2. संविधान सभा 4
3. संविधान की विशेषताएं 6
4. संघ एवं इसका राज्य क्षेत्र 10
5. भारतीय नागरिकता 11
6. मौलिक अधिकार 12
7. नीति निदेशक तत्व (DIRECTIVE PRINCIPLES) 16
8. राष्ट्रपति एवं उपराष्ट्रपति 18
9. भारतीय संसद (विधायिका) 22
10. प्रधानमंत्री एवं मंत्रिपरिषद 29
11. उच्चतम न्यायालय 30
12. राज्य कार्यपालिका राज्यपाल 32
13. मुख्यमंत्री, राज्य महाधिवक्ता, राज्य विधानमण्डल 34
14. उच्च न्यायालय 41
15. पंचायती राज 45
16. निर्वाचन आयोग 50
17. नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक 51
18. नीति आयोग 52
19. राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग 53
20. संविधान संशोधन 54

भारत का भूगोल

1.	सामान्य परिचय	56
2.	भौतिक विभाजन	60
3.	नदियाँ एवं झीलें	66
4.	जलवायु	72
5.	कृषि (Agriculture)	74
6.	मृदा / मिट्टी	82
7.	प्राकृतिक वनस्पतियाँ	84
8.	प्रमुख खनिज एवं ऊर्जा संसाधन	87
9.	उद्योग (Industry)	92
10.	परिवहन तंत्र	97

विश्व भूगोल (102 – 121)

- ब्रह्माण्ड एवं सौरमंडल
- महाद्वीप एवं महत्वपूर्ण स्थान
- पर्वत (Mountains) एवं पठार
- विश्व के प्रमुख महासागर और सागर

प्राचीन भारत का इतिहास

1. सिन्धु घाटी सभ्यता	122
2. वैदिक काल	125
3. बौद्ध धर्म, जैन धर्म, शैव धर्म	129
4. महाजनपद काल	135
5. मौर्य काल एवं मौर्योत्तर काल	136
6. गुप्त काल एवं गुप्तोत्तर काल	140
7. कुषाण वंश एवं सातवाहन राजवंश	143

मध्यकालीन भारत

1. अरबों का सिन्ध पर आक्रमण	146
2. दिल्ली सल्तनत के प्रमुख राजवंश	148
3. भक्ति एवं सूफी आंदोलन	158
4. बहमनी एवं विजयनगर साम्राज्य	162
5. मुगल साम्राज्य (1526-1707) बाबर से औरंगजेब तक	165

आधुनिक भारत का इतिहास

1. यूरोपीय कम्पनियों का आगमन	174
2. मराठा साम्राज्य	179

3. अंग्रेजों की राजनीतिक एवं प्रशासनिक नीतियाँ 182

4. 1857 की क्रांति से पूर्व के जन आंदोलन 189

- 1857 की क्रांति

5. भारत में राष्ट्रीय जागरण या आंदोलन 193

6. गाँधी युग और असहयोग आंदोलन 197

7. क्रांतिकारी आंदोलन से आजादी तक 203

भारतीय संस्कृति

1. संस्कृति के कुछ महत्वपूर्ण विषय 207

2. भारतीय चित्रकला 210

3. भारतीय नृत्य कलाएँ 211

4. मुगलकालीन प्रमुख इमारतें 213

अर्थशास्त्र

1. अर्थशास्त्र की मूलभूत अवधारणाएँ 218

2. राष्ट्रीय आय और उत्पाद 219

3. मुद्रा एवं बैंकिंग 221

4. बजट एवं बजट निर्माण 224

5. कर (TAX) 226

6. केंद्र सरकार की योजनाएँ 227

7. गरीबी एवं बेरोजगारी 232

विविध 234 - 288

- महत्वपूर्ण दिवस
- विश्व के प्रमुख देश, राजधानी एवं उनकी मुद्राओं की सूची
- पुस्तक एवं लेखक
- भारत में सर्वाधिक बड़ा, लम्बा एवं ऊँचा
- भारत में प्रथम पुरुष
- भारत में प्रथम महिला
- भारत का निम्न क्षेत्रों में प्रथम एवं द्वितीय स्थान
- भारत में प्रमुख पुरस्कार एवं सम्मानित व्यक्ति
- विश्व के प्रमुख संगठन और उनके मुख्यालय
- भारत के प्रमुख संस्थान एवं उनके मुख्यालय
- आविष्कार-आविष्कारक
- भारत के प्रमुख खेल
- भारत में विश्व धरोहर स्थल
- भारत के राज्यों के मुख्यमंत्री एवं राज्यपाल
- भारत के राजकीय पशु पक्षी, वृक्ष और फूल की सूची
- केंद्र शासित प्रदेश और उनकी राजधानियों की सूची
- स्थलों / शहरों / अभियानों के परिवर्तित नाम
- पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी

संविधान

अध्याय – 1
ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

➢ भारत का संवैधानिक विकास

➢ 1773 ई. का रेग्युलेटिंग एक्ट
- ➢ इस अधिनियम द्वारा बंगाल के गवर्नर को 'बंगाल का गवर्नर जनरल कहा गया ।
- ➢ इसके द्वारा मद्रास एवं बंबई के गवर्नर 'बंगाल के गवर्नर जनरल के अधीन हो गये ।
- ➢ इसके अन्तर्गत कलकत्ता में 1774 ई. में एक उच्चतम न्यायालय की स्थापना की गई।
- ➢ इसके द्वारा ब्रिटिश सरकार का 'कोर्ट ऑफ डायरेक्टर्स' के माध्यम से कंपनी पर नियंत्रण सशक्त हो गया ।
- ➢ बंगाल का पहला गवर्नर जनरल लॉर्ड वॉरेन हेस्टिंग्स थे।
- ➢ कलकत्ता सर्वोच्च न्यायालय के पहले मुख्य न्यायाधीश 'एलिजा इम्पे' थे।

➢ **1781 ई. का एक्ट ऑफ सेटलमेंट**-रेग्युलेटिंग एक्ट की कमियों को दूर करने के लिए इस एक्ट को लाया गया ।
- ➢ इस एक्ट के अनुसार कलकत्ता की सरकार को बंगाल, बिहार और उड़ीसा के लिए भी विधि बनाने का आधिकार दिया गया ।

1784 ई. का पिट्स इंडिया एक्ट
- ➢ इस एक्ट के द्वारा दोहरे प्रशासन का आरम्भ हुआ ।
- ➢ बोर्ड ऑफ डायेक्टर्स – व्यापारिक मामलों के लिए ।
- ➢ बोर्ड ऑफ कंट्रोलर –राजनीतिक मामलों के लिए ।
- ➢ ब्रिटिश सरकार को भारत में कंपनी के कार्यों और इसके प्रशासन पर पूर्ण नियंत्रण प्रदान किया गया ।

➢ **1793 ई. का चार्टर अधिनियम** द्वारा नियंत्रण बोर्ड के सदस्यों तथा कर्मचारियों के वेतन आदि को भारतीय राजस्व में से देने की व्यवस्था की गयी ।

1813 ई. का चार्टर अधिनियम
- ➢ कंपनी के अधिकार पत्र को 20 वर्षों के लिए बढ़ा दिया गया ।
- ➢ कंपनी के भारत के साथ व्यापार करने के एकाधिकार को छीन लिया गया ।
- ➢ लेकिन चीन के साथ व्यापार एवं पूर्वी देशों के साथ चाय के व्यापर के संबंध में 20 वर्षों के लिए एकाधिकार प्राप्त रहा ।
- ➢ 1813 ई. से पहले ईसाई पादरियों को भारत आने की आज्ञा नहीं थी किन्तु 1813 ई. के अधिनियम द्वारा ईसाई पादरियों को भारत आने की सुविधा मिल गयी ।

1833 ई. का चार्टर अधिनियम
- इस अधिनियम ने बंगाल के गवर्नर को भारत का गवर्नर जनरल बना दिया।
- इसने मद्रास एवं बम्बई के गवर्नरों को विधायिका संबंधी शक्ति से वंचित कर दिया ।
- लॉर्ड विलियम बैंटिक भारत के प्रथम गवर्नर जनरल थे ।
- इस अधिनियम के तहत कंपनी के व्यापरिक अधिकार पूर्णतया: समाप्त कर दिये गए ।
- भारतीय कानूनों का वर्गीकरण किया गया तथा इस आयोग के लिए विधि आयोग की नियुक्ति की व्यवस्था की गयी
- 1834 ई. में लॉर्ड मैकाले की अध्यक्षता में प्रथम विधि आयोग का गठन किया गया ।

1853 ई. का चार्टर अधिनियम
- 1793 से 1853 ई. के दौरान ब्रिटिश संसद द्वारा पारित किये गये चार्टर अधिनियम के श्रृंखला में अधिनियम अन्तिम था ।
- इसने पहली बार गवर्नर जनरल के विधायी एवं प्रशासनिक कार्यों को अलग कर दिया ।
- इसने सिविल सेवकों की भर्ती एवं चयन हेतु खुली प्रतियोगिता व्यवस्था का शुभारम्भ कर दिया।

ताज का शासन [1858 से 1947 ई. तक]
- 1861, 1892 और 1909 ई. के भारत परिषद् अधिनियम
- भारत शासन अधिनियम, 1919
- भारत शासन अधिनियम, 1935

INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

- भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम, 1947

1858 ई. का भारत शासन अधिनियम

- भारत का शासन कंपनी से लेकर ब्रिटिश क्राउन के हाथों में सौंपा गया इसके तहत भारत का शासन सीधे महारानी विक्टोरिया के अधीन चला गया ।
- भारत में मंत्री पद की व्यवस्था की गयी
- पंद्रह सदस्यों की भारत परिषद् का सृजन हुआ । मुगल सम्राट के पद को समाप्त कर दिया गया ।
- भारतीय मामलों पर ब्रिटिश संसद का सीधा नियंत्रण स्थापित किया गया ।
- इस अधिनियम के द्वारा बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स तथा बोर्ड ऑफ कंट्रोल को समाप्त कर दिया गया ।
- भारत के गवर्नर जनरल का नम बदलकर वायसराय कर दिया गया ।
- अतः इस समय के गवर्नर जनरल लॉर्ड कैनिंग अन्तिम गवर्नर जनरल एवं प्रथम वायसराय हुए ।
- एक नए पद 'भारत के राज्य सचिव' का सृजन किया गया ।

1861 ई. का भारत परिषद् अधिनियम

- 1862 ई. में लॉर्ड कैनिंग ने तीन भारतीयों- बनारस के राजा, पटियाला के महाराजा और सर दिनकर राव को विधान परिषद् में मनोनीत किया ।
- इस अधिनियम में मद्रास और बम्बई प्रेसिडेंसियों को विधायी शक्तियां पुनः देकर विकेन्द्रीकरण की प्रक्रिया की शुरुआत की ।
- गवर्नर जनरल की कार्यकारिणी परिषद् का विस्तार किया गया। ।
- विभागीय प्रणाली का प्रारम्भ हुआ ।

1873 ई. का अधिनियम

- इस अधिनियम द्वारा यह उपबन्ध किया गया की ईस्ट इंडिया कंपनी को किसी भी समय भंग किया जा सकता है ।
- 1 जनवरी 1884 ई. को ईस्ट इंडिया कंपनी को औपचारिक रूप से भंग कर दिया गया ।

1876 का शाही उपाधि अधिनियम

- इस अधिनियम द्वारा गवर्नर जनरल की केन्द्रीय कार्यकारिणी में छठे सदस्य की नियुक्ति कर उसे लोक निर्माण का कार्य सौंपा गया ।
- 28 अप्रैल 1876 ई. को एक घोषणा द्वारा महारानी विक्टोरिया को भारत की सम्राज्ञी घोषित किया गया ।

1892 ई. का भारत परिषद् अधिनियम

- इसके माध्यम से केन्द्रीय और प्रान्तीय विधान परिषदों में गैर-सरकारी सदस्यों की संख्या बढ़ाई गई ।
- इसने विधान परिषदों के कार्यों में वृद्धि कर उन्हें बजट पर बहस करने के लिए अधिकृत किया गया ।

1909 ई. का अधिनियम

- इस अधिनियम को मार्ले मिन्टो सुधार के नाम से जाना जाता है ।
- इसने केन्द्रीय एवं प्रान्तीय विधान परिषदों के आकार में काफी वृद्धि की परिषदों की संख्या 16 से 60 हो गई ।
- इसने दोनों स्तरों पर विधान परिषदों के चर्चा कार्यों का दायरा बढ़ाया ।
- सतेन्द्र प्रसाद सिन्हा वायसराय की कार्यपालिका परिषद् के प्रथम भारतीय सदस्य बने ।
- इस अधिनियम में पृथक निर्वाचन के आधार पर मुस्लिमों के लिए साम्प्रदायिक प्रतिनिधित्व का प्रावधान किया।

1919 ई. का भारत शासन अधिनियम

- इसने प्रांतीय विषयों को पुनः दो भागों में विभाजित किया –हस्तान्तरित और आरक्षित ।
- इस अधिनियम ने पहली बार देश में द्विसदनीय व्यवस्था और प्रत्यक्ष निर्वाचन की व्यवस्था आरम्भ की ।
- इसके अनुसार कार्यकारी परिषद् के 6 सदस्यों में से 3 सदस्यों का भारतीय होना आवश्यक है।
- इस अधिनियम द्वारा लोक सेवा आयोग का गठन किया गया ।
- इस अधिनियम ने पहली बार केन्द्रीय बजट को राज्यों के बजट से अलग कर दिया ।

अध्याय – 2
संविधान सभा

- भारत में संविधान सभा के गठन का विचार वर्ष 1934 में पहली बार एम. एन. रॉय ने रखा ।
- 1935 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने पहली बार भारत के संविधान निर्माण के लिए आधिकारिक रूप से संविधान सभा के गठन की मांग की ।
- 1938 में जवाहर लाल नेहरू ने घोषणा की स्वतंत्र भारत के संविधान का निर्माण वयस्क मताधिकार के आधार पर चुनी गई संविधान सभा द्वारा किया जायेगा । नेहरू की इस मांग को ब्रिटिश सरकार ने सैद्धांतिक रूप से स्वीकार कर लिया। इसे 1940 के अगस्त प्रस्ताव के रूप में जाना जाता हैं।
- क्रिप्स मिशन 1946 में भारत आया ।

क्रिप्स मिशन

- लॉर्ड सर पैथिक लॉरेंस (अध्यक्ष)
- ए. वी. अलेक्जेंडर
- सर स्टेफोर्ड क्रिप्स
- 1946 ई. को ब्रिटेन के प्रधान मंत्री क्लीमेंट एटली ने ब्रिटिश मंत्रिमंडल के तीन सदस्य (सर स्टेफोर्ड क्रिप्स, लॉर्ड पैथिक लॉरेंस तथा ए. वी. अलेक्जेंडर) को भारत भेजा जिसे कैबिनेट मिशन कहा गया ।
- कैबिनेट का मुख्य कार्य संविधान सभा का गठन कर भारतीयों द्वारा अपना संविधान बनाने का कार्य करना था ।
- भारत में जवाहर लाल नेहरु की अध्यक्षता में अंतरिम सरकार का गठन कैबिनेट मिशन योजना के तहत किया गया था । अंतरिम मंत्रिमंडल अंग इस प्रकार था ।

अंतरिम सरकार

जवाहर लाल नेहरू - स्वतंत्र भारत का पहला मंत्रिमंडल (1947)
सरदार वल्लभभाई पटेल - गृह, सूचना एवं प्रसारण
डॉ. राजेन्द्र प्रसाद - खाद्य एवं कृषि
जॉन मथाई - उद्योग एवं नागरिक आपूर्ति
जगजीवन राम - श्रम
सरदार बलदेव सिंह - रक्षा
सी. एच. भाभा - कार्य, खान एवं ऊर्जा
लियाकत अली खां - वित्त
अब्दुर रब निश्तार - डाक एवं वायु
आसफ अली - रेलवे एवं परिवहन
सी. राजगोपालाचारी - शिक्षा एवं कला
आई. आई. चुंदरीगर - वाणिज्य
गजनफर अली खान - स्वास्थ्य
जोगेंद्र नाथ मंडल - विधि

- कैबिनेट मिशन द्वारा प्रस्तुत किए गए सुझावों के अनुसार नवंबर 1946 में संविधान सभा का गठन हुआ | मिशन की योजना के अनुसार संविधान सभा का स्वरूप निम्नलिखित प्रकार का होना था –
- संविधान सभा के कुल सदस्यों की संख्या 389 होनी थी | इनमें से 296 सीटें ब्रिटिश भारत के प्रांतों को और 93 सीटें देशी रियासतों को दी जानी थी ।
- हर ब्रिटिश प्रांत एवं देशी रियासत को उसकी जनसंख्या के अनुपात में सीटें दी जानी थी | आमतौर पर प्रत्येक 10 लाख लोगों पर एक सीट का आवंटन होना था ।
- प्रत्येक ब्रिटिश प्रांत को दी गई सीटों का निर्धारण तीन प्रमुख समुदायों के मध्य उनकी जनसंख्या के अनुपात में किया जाना था | यह तीन समुदाय थे :- मुस्लिम, सिख व सामान्य (मुस्लिम और सिख को छोड़कर) |
- देशी रियासतों के प्रतिनिधियों का चयन चुनाव द्वारा नहीं, बल्कि रियासत के प्रमुखों द्वारा किया जाना था |
- कैबिनेट योजना के अनुसार ब्रिटिश भारत के लिए आवंटित 296 सीटों के लिए चुनाव जुलाई-अगस्त 1946 में संपन्न हुए ।
- इस चुनाव में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को 208, मुस्लिम लीग को 73 तथा छोटे दलों व निर्दलीय सदस्यों को 15 सीटें मिली ।
- महात्मा गाँधी और मोहम्मद अली जिन्ना को छोड़ दे तो संविधान सभा में उस समय के भारत के सभी प्रसिद्ध व्यक्तित्व शामिल थे ।
- 9 दिसम्बर 1946 ई. को संविधान सभा की प्रथम बैठक हुई जिसमें मुस्लिम लीग ने भाग नहीं लिया ।
- संविधान सभा का अधिवेशन 9 दिसम्बर 1946 को कन्द्रीय कक्ष में संपन्न हुआ । डॉ. सच्चिदानंद सिन्हा को सर्व सम्मति से संविधान सभा का अस्थायी अध्यक्ष चुन लिया गया ।

अध्याय – 7
नीति निदेशक तत्व (DIRECTIVE PRINCIPLES of State Policy)

भाग – 4 अनुच्छेद (36-51)

- **अनु. 36-राज्य** की परिभाषा / राज्य को परिभाषित किया गया है ।
- **अनु. 37**-न्यायालय के द्वारा परिवर्तनीय नहीं है किन्तु देश के शासन में मूलभूत है, अतः नीति बनाते समय इन तत्वों को लागू करना राज्य का कर्तव्य है।
- **अनु. 38-** (i) राज्य एक ऐसी सामाजिक व्यवस्था बनाने मे जिससे लोक कल्याण में वृद्धि हो सके।
- (ii) राज्य आय की असमानता समाप्त करने का प्रयास करे तथा अवसर की असमानता समान करने की व्यवस्था ।
- **अनु०39 -**
  स्त्री-पुरुष कर्मकारों को समान कार्य के लिए समान वेतन प्रदान करना।
- अनुच्छेद 39(b), (c) नीति निदेशक तत्व हैं जिन्हें मूल अधिकारों पर वरीयता दी गई है।
- अनु० 39(A):- समान न्याय एव निशुल्क विधिक सहायता
- **अनु० 40** (A):- ग्राम पंचायतों का गठन –
- **अनु० 41** - कुछ दशाओ में काम, शिक्षा और लोक सहायता प्रदान करना
- **अनु० 42**- काम की न्यायोचित, मानवोचित दशा का होना तथा प्रसूति सहायता प्रदान करना।
- **अनु० 43** – कर्मकारों को जीवन निर्वाह (मजदूरी)
- **अनु० 43 (A)** – 42 वां सं. स. अधिनियम 1976- उधोगों के प्रबन्ध में मजदूरी की भागीदारी।
- **अनु० 44** - सभी नागरिकों के लिए एक समान आचार संहिता
- **अनु० 45** - 6 वर्ष से कम आयु के बालकों को निशुल्क शिक्षा प्रदान करना (अनु. 21(A) 86 वां 2002)
- **अनु० 46**- अनुसुचित जाति एवं जनजाति तथा समाज के दुर्बल वर्ग की शिक्षा प्रदान करना तथा उनके अर्थसम्बन्धी हितों का पक्षपोषण करना।
- **अनु० 47**- पोषाहार स्तर, जीवन स्तर में वृद्धि करना तथा लोक व्यवस्था में सुधार करने का प्रयास करना।
- **अनु० 48**- कृषि एवं पशुपालन का आधुनिक ढंग से एंव वैज्ञानिक ढंग से विकास करना ।
- भारत का प्रथम अनुसूचित जनजाति विश्वविद्यालय M.P. में
- उड़ीसा सर्वाधिक कुपोषणग्रस्त
- **अनु०48** (A) – 42वां सं. स. अ. 1976- पर्यावरण की रक्षा एवं संवर्धन करना।
- **अनु०49** - प्राचीन महत्व के स्मारकों वस्तुओं व स्थानों की रक्षा करना।
- **अनु०50** - लोकसेवा (कार्यपालिका) से न्यायपालिका को पृथक करना
- **अनु० 51**-अन्तर्राष्ट्रीय शान्ति सुरक्षा की अभिवृद्ध का प्रयास करना आपसी विवादों का शान्तिपूर्ण समाधान करना।

- **बलवन्त राय मेहता समिति (1952):-**

- सामुदायिक विकास कार्यक्रम और राष्ट्रीय प्रसार सेवा के असफल होने के बाद पंचायत राज व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए 1957 में बलवंत राय मेहता समिति (ग्रामोधार समिति का गठन किया गया इसकी अध्यक्षता बलवंत राय मेहता ने की।
- इस समिति ने भारत में त्रिस्तरीय पंचायती व्यवस्था लागू किया (i) जिला पंचायत (ii) खण्ड (iii) ग्राम
- मेहता समिति की सिफारिशो को । अप्रैल 1958 को लागू किया गया ।
- इस समिति द्वारा सर्वप्रथम राजस्थान कि विधानसभा ने 2 Sep 1959 को पंचायती राज अधिनियम पारित किया।
- इस अधिनियम के प्रावधानो के आधार पर 2 oct 1959 राजस्थान के नागौर जिले में पंचायती राज का उत्थान किया गया।

अशोक मेहता समिति (1977):-

- बलवंत राय मेहता समिति की कमियों को दूर करने के लिए 1977 में अशोक मेहता समिति का गठन किया गया।
- इस समिति में 13 सदस्य थे।
- इस समिति ने 1978 में अपनी रिपोर्ट केन्द्र सरकार को सौंप दी जिसमें कुल 132 सिफारिश की गई थी।

INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

- इस समिति के द्वारा ग्राम पंचायत को खत्म करने की सिफारिश की गई परन्तु इसे अपर्याप्त मानकर नामंजूर कर दिया गया।

डी.पी.वी.के. राव समिति (1885):-

- 1885 में डा. पीबी के राव. की अध्यक्षता में एक समिति का गठन करके उसे यह कार्य सौंपा गया कि वह ग्रामीण विकास तथा गरीबी को दूर करने के लिए प्रशासनिक व्यवस्था पर सिफारिश करे।

पी के शुगल समिति (1988):-

- 1988 में पी. के शुगल समिति का गठन पंचायती संस्थाओ पर विचार करने के लिए किया गया।
- इस समिति ने अपने प्रतिवेदन में कहा कि पंचायती राज संस्थाओं को संविधान में स्थान दिया जाना चाहिए।
- पंचायती राज व्यवस्था का वर्णन भाग-9 व 11वी अनुसूचि में है तथा इसमें कुल 29 विषय है।
- जिन राज्यों में पंचायती राज व्यवस्था लागू नही की गई है।
  (i) दिल्ली
  (ii) जम्मू कश्मीर
  (iii) मेघालय
  (iv) मिजोरम
  (v) नागालैण्ड
- पंचायती राज व्यवस्था लोकतान्त्रिक विकेन्द्रीकरण पर आधारित है ।

मूल अधिकार व नीति निदेशक तत्व में अन्तर:

- मूल अधिकार न्यायालय के द्वारा प्रवर्तनीय है। जब कि निदेशक तत्व न्यायालय के द्वारा लागू कराया नहीं जा सकता अर्थात् - यह अपरिवर्तनीय है।
  मूल अधिकार अधिकांशत: नकारात्मक है जो राज्य को कुछ करने से।
- मना करता है जब कि निदेशक तत्व **अधिकांशित** सकारात्मक हैं जो राज्य को कुछ करने का निर्देश देता है ।
- **मूल** अधिकारों का त्याग नहीं किया जा सकता जैसे जीवन के अधिकार में मरने का अधिकार शामिल नहीं है जब की तत्वों का त्याग किया जा सकता है।
- राष्ट्रीय आपातकाल के दौरान अनु. 20 व 72 को रोककर मूल अधिकार को निलम्बित किया जा सकता है किन्तु निदेशक तत्वों को किसी भी दशा में निलम्बित नहीं किया जा सकता।
- मूल अधिकारों का उद्देश्य राजनीतिक लोकतंत्र को स्थापित करना जबकि निदेशक तत्वो का उद्देश्य सामाजिक तथा आर्थिक लोकतंत्र की स्थापना करते हुए लोक कल्याणकारी राज्य का मार्ग प्रसस्थ करना है।

मूल कर्तव्य

- मूल भारतीय संविधान में नागरिकों के कर्तव्यों से सम्बंधित भाग को सम्मिलित नहीं किया गया था।
- 42 वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1976 द्वारा संविधान में एक नए भाग IV-A और इसके अंतर्गत एक नया अनुच्छेद 51(a) जोड़ा गया ।
- इसके द्वारा इस भाग में 10 मूल कर्तव्यों को सम्मिलित किया गया।
- 11वें मूल कर्तव्य को 86 वें संविधान संशोधन अधिनियम, 2002 द्वारा जोड़ा गया ।
- इनकी प्रेरणा भूतपूर्व सोवियत संघ(USSR) के संविधान से ग्रहण की गयी ।
- सरदार स्वर्ण सिंह समिति की सिफारिशों के आधार पर ही 42वें संशोधन अधिनियम, 1976 जिसे "मिनी कॉन्सटीट्यूशन" भी कहा जाता है, भारतीय संविधान में मूल कर्तव्यों को शामिल किया गया ।
- इसके तहत, विभिन्न अनुच्छेदों और यहाँ तक की प्रस्तावना में भी संशोधन किया गया ।
- सरदार स्वर्ण सिंह समिति द्वारा 8 मूल कर्तव्यों को जोड़े जाने और इनके अनुपालन न किये जाने पर दंड के प्रावधान की सिफारिश की गयी थी ।
- सर्वोच्च्य न्यायालय के मुख्य न्यायधीश P.N भगवती (1985 -86) को जनहित याचिका का जनक (father of PIL) कहा जाता है ।
- किसी व्यक्ति को राष्ट्रगान गाने के लिए बाध्य किया जा सकता है ऐसा सर्वोच्च्य न्यायालय ने विजय इमैनुअल बनाम केरल केरल राज्य (1986) मामले में ऐसा कहा ।
- मूल कर्तव्यों को मुख्यत : दो वर्गो -नैतिक कर्तव्य तथा नागरिक कर्तव्य में रखा गया है ।
- मूल कर्तव्य केवल नागरिकों पर लागू होते हैं ।

- सरोजनी नायडू ने राज्यपाल को सोने के पिंजरें में निवास करने वाली चिड़िया की संज्ञा दी थी।

राज्यपाल से सम्बंधित प्रमुख अनुच्छेद	
अनु. 153	राज्यों के राज्यपाल
अनु. 154	राज्य की कार्यपालिका शक्ति का राज्यपाल में निहित होना।
अनु. 160	आकस्मिक परिस्थितियों में राज्यपाल के कार्य
अनु. 161	क्षमा दान तथा कुछ मामलों में दंडादेश के निलंबन, परिहार या लघुकरण की राज्यपाल की शक्ति
अनु. 163	मंत्रिपरिषद् द्वारा राज्यपाल को सलाह एवं सहयोग देना
अनु. 200	राज्य विधानसभा द्वारा पारित विधेयकों पर राज्यपाल की अनुमति
अनु. 201	राज्य विधानसभा द्वारा पारित विधेयकों को राष्ट्रपति के विचारार्थ सुरक्षित रखना।
अनु. 213	राज्यपाल की अध्यादेश जारी करने की शक्ति
अनु. 233	राज्यपाल द्वारा जिला न्यायाधीश की नियुक्ति

अध्याय – 13
मुख्यमंत्री, राज्य महाधिवक्ता, राज्य विधानमण्डल

मुख्यमंत्री

- राज्य क मंत्रिपरिषद् का प्रधान मुख्यमंत्री होता है। मुख्यमंत्री की नियुक्ति राज्यपाल करेगा (अनुच्छेद 164)।
- मुख्यमंत्री बनने के लिए निम्नलिखित योग्यताएँ होनी चाहिए-
- वह भारत का नागरिक हो।
- 25 वर्ष की आयु पूरी कर चुका हो।
- विधानमण्डल के दोनों सदनों में से किसी एक का सदस्य हो।
- इसके अतिरिक्त एक ऐसे व्यक्ति को जो राज्य विधान-मण्डल का सदस्य नहीं भी हो, छः माह के लिए मुख्यमंत्री नियुक्त किया जा सकता है। इस समय के दौरान उसे राज्य विधानमण्डल के लिए निर्वाचित होना पड़ेगा, ऐसा न होने पर उसका मुख्यमंत्री का पद समाप्त हो जाएगा।

मुख्यमंत्री के कार्य

- मंत्रिपरिषद् केमंत्रियों की नियुक्ति मुख्यमंत्री के परामर्श के अनुसार की जाती है।
- यह निर्णय करना भी मुख्यमंत्री का ही कार्य है कि किस व्यक्ति को कैबिनेट मंत्री, किसको राज्यमंत्री तथा किसको उप-मंत्री बनाना है। मुख्यमंत्री को अपनी मंत्रिपरिषद् का विस्तार करने का भी अधिकारी है।
- संवैधानिक दृष्टि से मुख्यमंत्री विभागों का विभाजन करने हेतु स्वतंत्र है
- मुख्यमंत्री अपने मंत्रियों के विभागों में परिवर्तन भी कर सकता है।
- मुख्यमंत्री मंत्रिपरिषद् का पुनर्गठन भी कर सकता है।
- यदि कोई मंत्री मुख्यमंत्री की नीति से सहमत नहीं है तो मुख्यमंत्री उसको त्यागपत्र देने के लिए कह सकता है
- यदि मंत्री त्यागपत्र देने से इंकार करता है तो मुख्यमंत्री उसे अपदस्थ करवा सकता है।
- मुख्यमंत्री मंत्रिपरिषदका अध्यक्ष होता है। वह मंत्रिपरिषद् के अधिवेशनो की अध्यक्षता करता है,

अधिवेशनों की तिथि तय करना तथा उसके लिए कार्य सूची बनाना भी मुख्यमंत्री का ही अधिकार है।

- मंत्रिपरिषद के निर्णयों की राज्यपाल को सूचना देना मुख्यमंत्री का संवैधानिक कर्तव्य है (अनुच्छेद 167)।
- मुख्यमंत्री मंत्रिपरिषद का ही नहीं बल्कि राज्य विधानमण्डल का भी नेता माना जाता है।
- विधानमंडल में महत्त्वपूर्ण निर्णयों की घोषणा मुख्यमंत्री ही करता है।
- विधानसभा को स्थगित और भग किये जाने का निर्णय भी मुख्यमंत्री द्वारा ही किया जाता है।
- मुख्यमंत्री राज्यपाल को शासन संबंधी प्रत्येक मामले में परामर्श देता है।
- संविधान के अनुसार राज्यपाल उस समय मुख्यमंत्री का परामर्श नहीं लेता जब वह केंद्रीय सरकार के प्रतिनिधि के रूप में कार्य करता है। अन्य स्थितियों में राज्यपाल मुख्यमंत्री के परामर्श के अनुसार कार्य करता है।
- राज्य में सभी महत्त्वपूर्ण नियुक्तियाँ राज्यपाल, मुख्यमंत्री के परामर्श के अनुसार ही कार्य करता है। अतः मुख्यमंत्री ही राज्य का वास्तविक शासक होता है।
- राज्य का राज्यपाल, उच्च न्यायालय का न्यायाधीश नियुक्त होने के लिए अर्हित किसी व्यक्ति को राज्य का महाधिवक्ता नियुक्त करेगा (अनुच्छेद 165)।
- उल्लेखनीय है कि महाधिवक्ता राज्यपाल के प्रसादपर्यन्त पद धारण करेगा और ऐसा पारिश्रमिक प्राप्त करेगा, जो राज्यपाल निर्धारित करे।
- राज्य के महाधिवक्ता को यह अधिकार होगा कि वह उस राज्य की विधानसभा (Legislative Assembly) में या विधानपरिषद् वाले राज्य की दशा में दोनों सदनों में बोले और उनकी कार्यवाहियों में अन्यथा भाग ले, किन्तु उसे मतदान का अधिकार नहीं होगा (अनुच्छेद 177)।

राज्य विधानमण्डल

- संरचना संविधान के अनुच्छेद 168 (अध्याय-III) के अंतर्गत प्रत्येक राज्य हेतु एक विधानमण्डल की व्यवस्था की गई है।
- इसी अनुच्छेद के अनुसार राज्य विधान-मंडल में राज्यपाल के अतिरिक्त विधानमंडल के एक या दोनों सदन शामिल हैं।
- वर्तमान में बिहार, महाराष्ट्र, कर्नाटक, उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में द्वि-सदनीय विधानमंडल और शेष राज्यों में एकसदनीय विधानमंडल की व्यवस्था है।
- जम्मू-कश्मीर राज्य में भी विधान परिषद् है परंतु इसकी व्यवस्था भारतीय संविधान द्वारा नहीं, जम्मू-कश्मीर राज्य के अपने संविधान द्वारा की गई है।
- जिन राज्यों में दो सदन हैं वहाँ एक को विधानसभा तथा दूसरे को विधान परिषद् कहते हैं। जिन राज्यों में एक सदन हे उसका नाम विधानसभा है।

राज्य व्यवस्थापिका की भूमिका -

- राज्य की राजनीतिक व्यवस्था में राज्य व्यवस्थापिका (State Legislature) की केन्द्रीय एवं प्रभावी भूमिका होती है।
- संविधान के छठे भाग में अनुच्छेद 168 से 212 तक राज्य विधानमण्डल का संगठन, कार्यकाल, अधिकारियों, शक्तियों एवं विशेषाधिकार आदि के बारे में बताया गया है। है।

विधानमण्डल में दो सदन हैं उच्च सदन विधानपरिषद् और निम्न सदन विधानसभा कहलाती है।

- वर्तमान में केवल सात राज्यों-कर्नाटक, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार, तेलंगाना, आन्ध्र प्रदेश व जम्मू-कश्मीर में विधानपरिषद् है।
- संविधान के अनुच्छेद 171 के अनुसार, किसी राज्य की विधान परिषद् के सदस्यों की संख्या उस राज्य की विधानसभा के सदस्यों की संख्या के एक-तिहाई से अधिक और किसी भी स्थिति में 40 से कम नहीं हो सकती ।
- भारतीय संसद कानून द्वारा विधान परिषद् की रचना के संबंध में संशोधन कर सकती है।
- अनुच्छेद 173 के अनुसार, विधानपरिषद् के सदस्यों के लिए निम्नलिखित योग्यताएँ निर्धारित की गई हैं।

  1. वह भारत का नागरिक हो।
  2. संसद द्वारा निश्चित अन्य योग्यताएँ रखता हो।
  3. 30 वर्ष की आयु पूरी कर चुका हो।
  4. किसी न्यायालय द्वारा पागल या दिवालिया न घोषित किया गया हो।
  5. संसद द्वारा बनाए गए किसी कानून के अनुसार विधानसभा के लिए अयोग्य न हो। साथ ही राज्य

विधानमण्डल का सदस्य होने की पात्रता हेतु उसका नाम राज्य के किसी विधानसभा क्षेत्र की निर्वाचक नामावली में होना चाहिए।

- विधानपरिषद् एक स्थायी सदन है।
- इसके सदस्य 6 वर्ष के लिए चुने जाते हैं।
- प्रत्येक 2 वर्ष पश्चात् 1/3 सदस्य अवकाश प्राप्त कर लेते हैं और उनके स्थान पर नए सदस्य चुने जाते हैं,
- यदि कोई व्यक्ति मृत्यु या त्याग-पत्र द्वारा हुई आकस्मिक रिक्ति को भरने के लिए निर्वाचित होता है, तो वह उस व्यक्ति या सदस्य की शेष अवधि के लिए ही सदस्य होगा।

राज्य विधानमण्डल

साधारण

- **अनुच्छेद 168** राज्यों के विधानमण्डलों का गठन
- **अनुच्छेद 169** राज्यों में विधान परिषदों का उत्पादन एवं सृजन
- **अनुच्छेद 170** विधानसभाओं की संरचना
- **अनुच्छेद 171** विधान परिषदों की संरचना
- **अनुच्छेद 172** राज्यों के विधानमण्डलों की अवधि
- **अनुच्छेद 173** राज्य के विधानमण्डल की सदस्यता के लिए अर्हता
- **अनुच्छेद 174** राज्य के विधानमण्डल के सत्र, सत्रावसान और विघटन
- **अनुच्छेद 175** सदन या सदनो में अभिभाषण का और उनको सन्देश भेजने का राज्यपाल का अधिकार
- **अनुच्छेद 176** राज्यपाल का विशेष अभिभाषण
- **अनुच्छेद 177** सदनों के बारे में मन्त्रियों और महाधिवक्ता के अधिकार

राज्य के विधानमण्डल के अधिकारी

- **अनुच्छेद 178** विधानसभा के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष
- **अनुच्छेद 179** अध्यक्ष आर उपाध्यक्ष का पद रिक्त होना पदत्याग और पद से हटाया जाना
- **अनुच्छेद 180** अध्यक्ष के पद के कर्तव्यों का पालन करने या अध्यक्ष के रूप में कार्य करने की उपाध्यक्ष या अन्य व्यक्ति की शक्ति
- **अनुच्छेद 181** जब अध्यक्ष या उपाध्यक्ष को पद से हटाने का कोई संकल्प विचाराधीन है तब उसका पीठासीन न होना।
- **अनुच्छेद 182** विधानपरिषद् का सभापति व उपसभापति
- **अनुच्छेद 183** सभापति आर उपसभापति का पद रिक्त होना पदत्याग और पद से हटाया जाना ।
- **अनुच्छेद 184** सभापति के पद के कर्तव्यों का पालन करने या सभापति के रूप में कार्य करने की उपसभापति या अन्य व्यक्ति की शक्ति
- **अनुच्छेद 185** जब सभापति या उपसभापति को पद से हटाने का कोई संकल्प विचाराधीन है तबउसका पीठासीन न होना ।
- **अनुच्छेद 186** अध्यक्ष और उपाध्यक्ष तथा सभापति और उपसभापति के वेतन और भत्ते ।
- **अनुच्छेद 187** राज्य के विधानमण्डल का सचिवालय कार्य-संचालन
- **अनुच्छेद 188** सदस्यों का शपथ या प्रतिज्ञान

अनुच्छेद 189 सदनों में मतदान, रिक्तियों के होते हुए भी सदनों की कार्य करने की शक्ति एवं गणपूर्ति

सदस्यों की निरर्हताएँ -

- **अनुच्छेद 190** स्थानों का रिक्त होना
- **अनुच्छेद 191** सदस्यता के लिए निरर्हताएँ
- **अनुच्छेद 192** सदस्यों की निरहर्ताओं से सम्बन्धित प्रश्नों पर विनिश्चय
- **अनुच्छेद 193** अनुच्छेद 188 के अधीन शपथ लेने या प्रतिज्ञान करने से पहले या अर्हित न होते हुए या निरहित । किए जाने पर बैठने और मत देने के लिए शक्ति ।

राज्यों के विधानमण्डलों और उनके सदस्यों की शक्तियाँ, विशेषाधिकार और उन्मुक्तियाँ।

- **अनुच्छेद 194** विधानमण्डलों के सदनों की तथा उनके सदस्यों और समितियों की शक्तियों, विशेषाधिकार आदि
- **अनुच्छेद 195** सदस्यों के वेतन और भत्ते

विधायी प्रक्रिया

- **अनुच्छेद 196** विधेयकों के पुनःस्थापन और पारित किए जाने के सम्बन्ध में उपबन्ध

भारत का भूगोल

अध्याय – 1

सामान्य परिचय

- भारत एशिया महाद्वीप का एक देश है, जो एशिया के दक्षिणी भाग में स्थित है तथा तीन ओर समुद्रों से घिरा हुआ है। पूरा भारत उत्तरी गोलार्द्ध में पड़ता है।
- भारत का अक्षांशीय विस्तार 8°4' उत्तरी अक्षांश से 37°6'उत्तरी अक्षांश तक है।
- भारत का देशान्तर विस्तार 68°7' पूर्वी देशान्तर से 97°25' पूर्वी देशान्तर तक है।
- भारत का क्षेत्रफल 32,87,263 वर्ग किमी. है।
- क्षेत्रफल की दृष्टि से संसार में भारत का सातवाँ स्थान है। यह रूस के क्षेत्रफल का लगभग 1/5, संयुक्त राज्य अमेरिका के क्षेत्रफल का 1/3 तथा ऑस्ट्रेलिया के क्षेत्रफल का 2/5 है।
- जनसंख्या की दृष्टि से संसार में भारत का चीन के बाद दूसरा स्थान है।
- विश्व का 2.4% भूमि भारत के पास है जबकि विश्व की लगभग 17.5% (वर्ष 2011 के अनुसार) जनसंख्या भारत में रहती है।
- भारत के उत्तर में नेपाल, भूटान व चीन, दक्षिण में श्रीलंका एवं हिन्द महासागर, पूर्व में बांग्लादेश, म्यांमार एवं बंगाल की खाड़ी तथा पश्चिम में s दक्षिणतम बिन्दु - इन्दिरा प्वाइंट (ग्रेट निकोबार में है)।

भारत का उत्तरी अन्तिम बिन्दु- इंदिरा कॉल (लद्दाख) है

देश की चतुर्दिक सीमा बिन्दु	
दक्षिणतम बिन्दु- इन्दिरा प्वाइंट (ग्रेट निकोबार द्वीप) उत्तरी बिन्दु- इन्दिरा कॉल (लद्दाख) पश्चिमी बिन्दु- सर क्रीक (गुजरात) पूर्वी बिन्दु-किबिथु (अरुणाचल प्रदेश) मुख्य भूमि की दक्षिणी सीमा- कन्याकुमारी (तमिलनाडु)	
स्थलीय सीमाओं पर स्थित भारतीय राज्य	
पाकिस्तान (4)	गुजरात, राजस्थान, पंजाब, जम्मू और कश्मीर
अफगानिस्तान (1)	जम्मू और कश्मीर
चीन (5)	लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, उत्तरांखंड, सिक्किम,अरुणाचल प्रदेश
नेपाल (5)	उत्तर प्रदेश, उत्तरांखंड, बिहार, पश्चिम बंगाल, सिक्किम
भूटान (4)	सिक्किम, पश्चिम बंगाल, असम, अरुणाचल प्रदेश
बांग्लादेश (5)	पश्चिम बंगाल, असम, मेघालय, त्रिपुरा, मिजोरम
म्यांमार (4)	अरुणाचल प्रदेश,नागालैण्ड, मणिपुर, मिजोरम

INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

- कर्क रेखा (Tropic of Cancer) भारत के बीचों - बीच से गुजरती है।
- भारत के जिन राज्यों में से होकर कर्क रेखा गुजरती है वे हैं- गुजरात, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखण्ड, पश्चिमी बंगाल, त्रिपुरा और मिजोरम ।
- भारत को पाँच प्राकृतिक भागों में बाँटा जा सकता है ।

1. उत्तर का पर्वतीय प्रदेश

प्रमुख चैंनल / जलडमरूमध्य	
विभाजित स्थल खण्ड	**चैंनल/खाड़ी/स्ट्रेट**
इन्दिरा प्वाइंट-इण्डोनेशिया	ग्रेट चैंनल
लघु अंडमान-निकोबार	10°चैंनल
मिनीकॉय-लक्षद्वीप	9° चैंनल
मालदीव-मिनीकाय	8° चैंनल
भारत-श्रीलंका	मन्नार की खाड़ी
पाक की खाड़ी	पाक स्ट्रेट

2. उत्तर का विशाल मैदान
3. दक्षिण का प्रायद्वीपीय पठार
4. समुद्री तटीय मैदान
5. थार का मरुस्थल

- भारत का मानक समय (Indian Standard Time) इलाहाबाद के पास नैनी से लिया गया है। जिसका देशान्तर 82°30 पूर्वी देशान्तर है। (वर्तमान में मिर्जापुर) यह ग्रीनविच माध्य समय (GMT) से 5 घण्टे 30 मिनट आगे है।
- भारतीय मानक समय की देशांतर रेखा (82°30) उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, उड़ीसा एवं आंध्रप्रदेश से गुजरती है।
- भारत की लम्बाई उत्तर से दक्षिण तक 3214 किमी. तथा पूर्व से पश्चिमी तक 2933 किमी. है।
- भारत की समुद्री सीमा मुख्य भूमि, लक्षद्वीप और अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह की तटरेखा की कुल लम्बाई 7,516.6 कि.मी है जबकि स्थलीय सीमा की लम्बाई 15,200 किमी. है। भारत की मुख्य भूमि की तटरेखा 6,100 किमी. है।

शीर्ष पाँच क्षेत्रफल वाले राज्य	
राज्य	**क्षेत्रफल वर्ग किमी.**
राजस्थान	342239
मध्यप्रदेश	308245
महाराष्ट्र	307713
उत्तर प्रदेश	240928
गुजरात	196024

शीर्ष पाँच भौगोलिक क्षेत्र वाले जिले भारत में	
जिला	**क्षेत्रफल वर्ग किमी.**
कच्छ	45652
लेह	45110
जैसलमेर	38428
बाड़मेर	28387
बीकानेर	27284

- क्षेत्रफल की दृष्टि से अण्डमान-निकोबार द्वीप समूह सबसे बड़ा केन्द्र-शासित प्रदेश है।
- क्षेत्रफल की दृष्टि से लक्षद्वीप सबसे छोटा केन्द्र-शासित प्रदेश है।
- जनसंख्या की दृष्टि से दिल्ली सबसे बड़ा केन्द्र शासित प्रदेश है।
- जनसंख्या की दृष्टि से लक्षद्वीप सबसे छोटा केन्द्र शासित प्रदेश है।
- मध्य प्रदेश भारत का सबसे बड़ा पठारी राज्य है।
- मध्य प्रदेश में वन (जंगल) सबसे अधिक है।
- भारत में द्वीपों की कुल संख्या 248 है बंगाल की खाड़ी में 223 तथा अरब सागर में 25 द्वीप हैं ।

अध्याय - 6

मृदा / मिट्टी

- मिट्टी के अध्ययन को मृदा विज्ञान या पेडोलॉजी (pedology) कहा जाता है।

मृदा के प्रकार

1. जलोढ़ मृदा (तराई मृदा , बांगर मृदा, खादर मृदा)
2. काली मृदा
3. लाल और पीली मृदा
4. लैटेराइट मृदा
5. पर्वतीय मृदा
6. मरुस्थलीय मृदा
7. लवणीय मृदा
8. पीट एवं जैव मृदा

- 1953 में केन्द्रीय मृदा संरक्षण बोर्ड का गठन किया गया।
- मृदा में सबसे अधिक मात्रा में क्वार्टज खनिज पाया जाता हैं।
- ऐपेटाइट नामक खनिज से मृदा को सबसे अधिक मात्रा में फास्फोरस प्राप्त होता हैं।
- वनस्पति मिट्टी में ह्युमस की मात्रा निर्धारित करती हैं।
- मृदा में सामान्यतः जल 25 प्रतिशत होता हैं।

1.जलोढ़ मिट्टी –

- यह मिट्टी भारत के लगभग 22% क्षेत्रफल पर पायी जाती है भारत का सम्पूर्ण उत्तरी मैदान, तटीय मैदान जलोढ़ मिट्टी का बना है।
- इसमें गाद, मर्तिका व रेत (slit ,clay & sand) के कण पाये जाते हैं।
- जलोढ़ मिट्टी को कछारी मृदा भी कहा जाता है।
- इस मृदा का निर्माण नदियों द्वारा लाए गए तलछट के निक्षेपण से हुआ है / इस प्रकार यह एक अक्षेत्रीय मृदा है।
- इस मृदा के तीन प्रकार होते है –1. बांगर (bangar) 2. खादर (khadar), 3. तराई
- पुराने जलोढ़ मिट्टी के मैदान **बांगर** कहलाते हैं। **बांगर** मृदा सतलज एवं गंगा के मैदान के उपरी भाग तथा नदियों के मध्यवर्ती भाग में पाई जाती है। यहाँ बाढ़ का पानी नही पहुँच पाता है। इस मृदा में चीका एवं बालू की मात्रा लगभग बराबर होती है।
- नयी जलोढ़ मिट्टी को **खादर** कहा जाता है। यह नवीन जलोढ़ मृदा है यहाँ प्रत्येक वर्ष बाढ़ का पानी पहुँचने से नवीनीकरण होता रहता है। यह मृदा खरीफ के फसल के लिए उपयुक्त होती है।

- यह नदियों द्वारा निर्मित मैदानी भाग में पंजाब से असम तक तथा नर्मदा, ताप्ती, महानदी, गोदावरी, कृष्णा व कावरी के तटवर्ती भागों में विस्तृत हैं।
- यह मिट्टी उच्च भागों में अपरिपक्व तथा निम्न क्षेत्रों में परिपक्व हैं।
- इस मिट्टी में पोटाश व चूना प्रचुर मात्रा में पाया जाता हैं, जबकि फास्फोरस, नाइट्रोजन व जीवांश का अभाव पाया जाता हैं।
- यह उपजाऊ मृदा है उर्वरता के दृष्टिकोण से यह काफी अच्छी मानी जाती है। इसमें धान, गेहूं, मक्का, तिलहन, दलहन, आलू आदि फसलें उगायी जाती हैं।
- **तराई मृदा** में महीन कंकड़, रेत, चिकनी मृदा, छोटे - छोटे पत्थर आदि पाएँ जाते है।
- इस मृदा में चट्टानी कणों के होने से जल ग्रहण की क्षमता अधिक होती है।
- इस मृदा में चूने की मात्रा अधिक होती हैं।
- यह गन्ने की कृषि के लिए उपयुक्त होता है।

2.लाल - पीली मिट्टी :-

- यह देश के लगभग 6.1 लाख वर्ग कि.मी. (18.6%) भू-भाग में हैं।
- इस मिट्टी का विकास आर्कियन ग्रेनाइट, नीस तथा कुड़प्पा एवं विंध्यन बेसिनों तथा धारवाड़ शैलों की अवसादी शैलो के उपर हुआ है।
- इनका लाल रंग लौह ऑक्साइड़ की उपस्थिति के कारण हुआ है।
- यह मिट्टी आंशिक रूप से अम्लीय प्रकार की होती हैं। इसमें लौहा, एल्युमीनियम तथा चूने का अंश कम होता हैं तथा जीवांश (ह्यूमस), नाइट्रोजन तथा फास्फोरस की कमी पाई जाती हैं।
- यह मिट्टी प्राय : उर्वरता-विहीन बंजर भूमि के रूप में पायी जाती है।
- भारत में यह मृदा झारखण्ड के संथाल परगना अवाम छोटा नागपुर का पठार पश्चिम बंगाल के पठारी क्षेत्र तमिलनाडु कर्नाटक दक्षिण - पूर्व महाराष्ट्र पश्चिमी एवं दक्षिणी आंध्रप्रदेश मध्यप्रदेश, मेघालय की गारो, खासी एवं जयन्तिया की पहाड़ी क्षेत्रों नागालैंड, राजस्थान में अरावली के पूर्वी क्षेत्र एवं छत्तीसगढ़ के

अधिकांश भाग उड़ीसा एवं उत्तर प्रदेश के झाँसी ललितपुर मिर्जापुर में पाई जाती है /

- इस प्रकार के मृदा में मुख्यत : कपास, गेहूँ, दाले, चावल एवं मोटे अनाज की कृषि की जाती है ।
- तमिलनाडु व कर्नाटक में इस मृदा में रबड़ एवं कहवा का विकास किया जा रहा है।

3.काली मिट्टी –

- इसका निर्माण बेसाल्ट चट्टानों के टूटने-फूटने से होता है ।
- इसमें जलधारण क्षमता सबसे अधिक होती हैं ।
- स्थानीय भाषा में इसे रेगुर कहा जाता है ।
- काली मिट्टी को स्वत: जुताई वाली मृदा भी कहा जाता है । जिसमें सिचाई की कम आवश्यकता पड़ती है ।
- यह मिट्टी कपास की खेती के लिए सबसे उपयुक्त मानी जाती है ।
- यह मिट्टी उष्ण उष्णकटिबंधीय चरनोजम तथा काली कपासी मिट्टी के नाम से भी जानी जाती हैं ।
- इस मिट्टी का काला रंग टिटेनीफेरस मैंग्नेटाइट एवं जीवांश (ह्यूमस) की उपस्थिति के कारण होता है ।
- मालवा के पठारों (malwa plateau) में काली मृदा की अधिकता है ।
- यह सर्वाधिक मात्रा में महाराष्ट्र में पाई जाती है ।
- इसका निर्माण दक्कन ट्रेप के लावे से हुआ है ।
- इनमें लौहे, चूने, कैल्शियम, पोटाश, एल्युमिनियम तथा मैंग्नीशियम कार्बोनेट से समृद्ध होती हैं । इनमें जीवांश, नाइट्रोजन व फास्फोरस की कमी पाई जाती हैं ।
- भारत में यह मृदा मुख्यत : महाराष्ट्र, पश्चिमी मध्य प्रदेश उत्तरी कर्नाटक, उत्तरी आंध्रप्रदेश, उत्तर - पश्चिमी तमिलनाडु, दक्षिण- पूर्वी राजस्थान आदि क्षेत्र में पाएँ जाते है।
- यह जड़दार फसलों जैसे - कपास, सोयाबीन, चना, तिलहन, खट्टे फलों तथा मोटे अनाजों के लिए उपयुक्त होती हैं ।

4.लैंटेराइट मिट्टी(Laterite soil) –

- यह देश के लगभग 1.26 लाख क्षेत्र में विस्तृत हैं ।
- यह भारत में मुख्यतः मालाबार तटीय प्रदेश में पायी जाती है ।
- येह केरल, महाराष्ट्र व असम में सबसे अधिक मात्रा में पाई जाती हैं ।
- इनमें लोहा, सिलिका व एल्युमिनियम प्रचुर मात्रा में पाया जाता हैं तथा नाइट्रोजन, पोटाश, चूना व जैविक पदार्थों की इससे प्रायः कमी पाई जाती हैं ।
- लोहे की मात्रा अधिक होने के कारण लैंटेराइट मिट्टी दिनों-दिन अनुर्वर (infertile) होती जा रही है ।
- अम्लीय होने के कारण इस मृदा में चाय, इलायची, मोटे अनाज, काजू एवं दलहन की कृषि की जाती हैं
- गहरी लाल लैंटराइट में लौह-ऑक्साइड तथा पोटाश की बहुलता होती हैं । इसकी उर्वरता कम होती है ।
- सफेद लैंटराइट की उर्वरता सबसे कम होती है । और केओलिन के कारण इसका रंग सफेद होता है ।

5.मरुस्थलीय मिट्टी –

- यह राजस्थान, सौराष्ट्र हरियाणा तथा दक्षिणी पंजाब में पाई जाती हैं ।
- इसमें घुलनशील लवणों तथा फास्फोरस की प्रचुरता पाई जाती है ।
- सिंचाई द्वारा इसमें ज्वार, बाजरा, मोटे अनाज व सरसों आदि उगायें जाते हैं ।
- यह मृदा पश्चिमी राजस्थान, दक्षिणी पंजाब, दक्षिणी हरियाणा, एवं उत्तरी गुजरात में पाई जाती है।
- मरुस्थलीय मिट्टी में नाइट्रोजन का अभाव पाया जाता है ।

6.पर्वतीय मिट्टी –

- इसे वनीय मृदा भी कहा जाता है ।
- ये नवीन अविकसित मृदा का रूप है जो कश्मीर से अरुणाचल प्रदेश तक फैली हुई हैं ।
- इसमें पोटाश, चूना व फास्फोरस का अभाव होता हैं, परन्तु जीवांश प्रचुर मात्रा में पाया जाता हैं ।
- यह मृदा प्रायः अम्लीय स्वभाव की होती हैं ।
- इस मृदा में चाय कहवा मसालें एवं फलों की कृषि की जाती है ।
- जनजातियों द्वारा झूम कृषि इस मृदा में की जाती है।
- यह मुख्यत: हिमाचल क्षेत्र, उत्तर – पूर्वी के पहाड़ी क्षेत्र, पश्चिमी एवं पूर्वी घाट तथा प्रायद्वीपीय भारत के पहाड़ी क्षेत्र में पाई जाती हैं ।

7. पीट तथा दलदली मिट्टी –

- यह मृदा नम जलवायु में बनती है।
- सड़ी हुई वनस्पतियों से बनी पीट मिट्टी सुन्दरवन, ओड़िशा के तट, बिहार के मध्यवर्ती भाग तथा केरल व तमिलनाडु के तटीय क्षेत्रों में पाई जाती हैं ।

विश्व भूगोल

ब्रह्माण्ड एवं सौरमंडल

- ब्रह्मांड का अध्ययन खगोलिकी कहलाता है।
- महाविस्फोट सिद्धांत (big-bang theory) ब्रह्मांड की उत्पत्ति से संबंधित है।
- ब्रह्मांड दिखाई पड़ने वाले समस्त आकाशीय पिंड को ब्रह्मांड कहते हैं। ब्रह्मांड विस्तारित हो रहा है ब्रह्मांड में सर्वाधिक संख्या तारों की है।

तारा

- वैसा आकाशीय पिंड जिसके पास अपनी ऊष्मा तथा प्रकाश हो तारा कहलाता है।
- तारा बनने से पहले विरल गैस का गोला होता है।
- जब ये विरल गैस केंद्रित होकर पास आ जाते हैं तो घने बादल के समान हो जाते हैं जिन्हें निहारिका कहते हैं।
- जब इन नेबुला में सलंयनविधि द्वारा दहन की क्रिया प्रारंभ हो जाती हैं तो वह तारों का रूप ले लेता है।
- तारों में हाइड्रोजन का सलंयन हिलियम में होता रहता है। तारों में इंधन प्लाज्मा अवस्था में होता है।
- तारों का रंग उसके पृष्ठ ताप पर निर्भर करता है।
- लाल रंग - निम्न ताप (6 हजार डिग्री सेल्सियस)
- सफेद रंग - मध्यम ताप
- नीला रंग - उच्च ताप

  तारों का भविष्य उसके प्रारंभिक द्रव्यमान पर निर्भर करता है।
- जब तारा सूर्य का ईंधन समाप्त होने लगता है तो वह लाल दानव का रूप ले लेता है और लाल दानव का आकार बड़ा होने लगता है।
- यदि लाल दानों का द्रव्यमान सूर्य के द्रव्यमान के 1.44 गुना से छोटा होता है तो वह श्वेत वामन बनेगा।

सौर मंडल

- सूर्य तथा उसके आसपास के ग्रह, उपग्रह तथा शुद्र ग्रह, धूमकेतु, उल्कापिंड उनके संयुक्त समूह को सौरमंडल कहते हैं।
- सूर्य सौरमंडल के केंद्र में स्थित है।
- सौरमंडल में जनक तारा के रूप में सूर्य है।
- सौर मंडल के सभी पिंड सूर्य का चक्कर लगाते हैं।

सूर्य

- यह हमारा सबसे निकटतम तारा है सूर्य सौरमंडल के बीच में स्थित है। सूर्य की आयु लगभग 15 अरब वर्ष है जिसमें से वह 5 अरब वर्ष जि चुका है।
- सूर्य के अंदर हाइड्रोजन का हिलियम में संलयन होता है और ईंधन प्लाज्मा अवस्था में रहता है।
- आंतरिक संरचना के आधार पर सूर्य को तीन भागों में बांटते हैं।

सूर्य की बाहरी परत

- सूर्य के बाहर उसकी तीन परतें हैं ।

1. **प्रकाश मंडल**
   - यह सूर्य का दिखाई देने वाला भाग है इसका तापमान 6000 डिग्री सेल्सियस होता है।
2. **वरुण मंडल**
   - यह बाहरी परत के आधार पर मध्य भाग है इसका तापमान 32400 डिग्री सेल्सियस होता है।
3. **(corona)**
   - यह सूर्य का सबसे बाहरी परत होता है जो लपट के समान होता है इसे केवल सूर्य ग्रहण के समय देखा जाता है इसका तापमान 27lac डिग्री सेल्सियस होता है।

- सूर्य में 75% हाइड्रोजन तथा 24% हिलीयम है।
- शेष तत्व की मात्रा 1% में ही निहित है।
- सूर्य का द्रव्यमान पृथ्वी से 332000 गुना है।
- सूर्य का व्यास पृथ्वी से 109 गुना है।
- सूर्य का गुरुत्वाकर्षण पृथ्वी से 28 गुना है।
- सूर्य का घनत्व पृथ्वी से 20 गुना है।
- सूर्य से प्रति सेकंड 10^{26} जूल ऊर्जा निकलती है।
- सूर्य पश्चिम से पूरब घूर्णन करता है।
- सूर्य का विषुवत रेखीय भाग 25 दिन में घूर्णन कर लेता है।
- सूर्य का ध्रुवीय भाग 31 दिन में घूर्णन कर लेता है।

ग्रह

- वैसा आकाशीय पिंड जिसके पास ना अपनी ऊष्मा हो और ना ही अपना प्रकाश हो वह ऊष्मा तथा प्रकाश के लिए अपने निकटतम तारे पर आश्रित हो।तथा उसी का चक्कर लगाता हो प्रारंभ मे ग्रहों कि संख्या 9 थी परंतु वर्तमान में 8 ग्रह है ग्रहों का 2 श्रंणियों में बांटते है।

पार्थिव

- इन्हें आंतरिक ग्रह भी कहते हैं।

- यह पृथ्वी से समानता रखते हैं ।
- इनका घनत्व अधिक होता है तथा यह ठोस अवस्था में होते हैं ।
- इनके उपग्रह कम होते हैं या होते ही नहीं है इन ग्रहों की संख्या चार होती है।

a. बुध
b. शुक्र
c. पृथ्वी
d. मंगल

जोवियन ग्रह

- इसे बाह्य ग्रह कहते हैं। यह बृहस्पति से समानता रखते हैं ।इनका आकार बड़ा होता है किन्तु घनत्व कम होता है, यह गैस की अवस्था में पाए जाते हैं।

इनके उपग्रहों की संख्या अधिक है।

प्लूटो

- यह नौवां ग्रह था । किन्तु 24 अगस्त 2006 को चेक गणराज्य की राजधानी प्राग में अंतरराष्ट्रीय खगोल खंड की बैठक हुई जिसमें प्लूटो को ग्रह की श्रेणी से निकालकर बोना ग्रह में डाल दिया ।
- प्लूटो को ग्रह की श्रेणी से निकालने के तीन कारण थे

1. इसका आकार अत्यधिक छोटा था
2. इसकी कक्षा दीर्घ वर्तीय नहीं थी
3. इसकी कक्षा वरुण की कक्षा को काटती थी

उपग्रह

- इनके पास ऊष्मा और प्रकाश दोनों नहीं था ।
- यह अपने निकटतम तारे से ऊष्मा और प्रकाश लेते हैं किन्तु यह चक्कर अपने निकटतम ग्रह का लगाते हैं ।

उपग्रह दो प्रकार के होते हैं

1. **प्राकृतिक उपग्रह** -चंद्रमा
2. **कृत्रिम उपग्रह** -यह मानव निर्मित होते हैं संचार तथा मौसम की भविष्यवाणी करता है।

<u>सूर्य से दूरी के अनुसार ग्रह</u>

1. बुध
2. पृथ्वी
3. बृहस्पति
4. अरुण
5. शुक्र
6. मंगल
7. शनि
8. वरुण

<u>पृथ्वी से दूरी के अनुसार</u>

1. शुक्र
2. मंगल
3. बुध
4. बृहस्पति
5. शनि
6. अरुण
7. वरुण

<u>आकार के अनुसार ग्रह</u>

1. बृहस्पति
2. शनि
3. अरुण
4. वरुण
5. पृथ्वी
6. शुक्र
7. मंगल
8. बुध

आंखों से हम पांच ग्रहों को देख सकते हैं ।

1. बुध
2. शुक्र
3. मंगल
4. बृहस्पति
5. शनि

उल्टा घूमने वाले ग्रह पूरब से पश्चिम

- शुक्र तथा अरुण
- सर्वाधिक घनत्व पृथ्वी का तथा कम घनत्व शनि का ।
- सबसे बड़ा उपग्रह बृहस्पति का गेनीमेड और सबसे छोटा उपग्रह मंगल का डिवोर्स है ।
- सबसे तेज घूर्णन बृहस्पति सबसे धीमा घूर्णन शुक्र 249 दिन ।
- सबसे तेज परिक्रमण वर्ष की अवधि बुध 88 दिन सबसे धीमा शुक्र 164 साल।
- सबसे गर्म ग्रह शुक्र सबसे ठंडा ग्रह अरुण वरुण है।

Gold lock zone

- अंतरिक्ष का वह स्थान जहां जीवन की संभावना पाई जाती है उसे गोल्डी लॉक्स जोन कहते हैं ।

- केवल पृथ्वी पर जीवन संभव है ।
- मंगल पर इसकी संभावना है ।
- जीवन की उत्पत्ति के लिए कपास का पौधा अंतरिक्ष पर भेजा गया ।

बुध ग्रह (मरकरी)

- इसका नामकरण रोमन संदेशवाहक देवता के नाम पर हुआ है ।
- इस ग्रह का वायुमंडल नहीं है किन्तु बहुत ही कम मात्रा में वहां ऑक्सीजन पाई जाती है ।
- वायुमंडल ना होने के कारण यह ऊष्मा को रोक नहीं पाता है । जिस कारण दिन में इसका तापमान 420 डिग्री सेल्सियस तथा रात को -180 डिग्री सेल्सियस तापमान हो जाता है अर्थात इस ग्रह पर सर्वाधिक तापांतर 600 डिग्री सेल्सियस का देखा जाता है अतः यहां जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती है ।
- वायुमंडल ना होने के कारण इस ग्रह पर सर्वाधिक उल्का पात हुआ है ।
- सबसे बड़ा क्रेटर कोरोलिस बेलिस है ।

शुक्र

- इस ग्रह पर सर्वाधिक मात्रा में कार्बन डाइऑक्साइड पाया जाता है ।
- यह सूर्य से आने वाली सभी ऊष्मा को अवशोषित कर लेता है
- इसे सबसे गर्म तथा चमकीला ग्रह कहते है ।
- इसे सौरमंडल की परी कहते हैं
- इस पर प्रेशर कुकर के समान स्थिति पाई जाती है जिस कारण इसे दम घुटने वाला कहते हैं ।
- यह पृथ्वी से समानता रखता है अतः इसे पृथ्वी का सहोदर ,भगिनी ,जुड़वा बहन कहते हैं ।
- यह अपने अक्ष पर उल्टा अर्थात पूर्व से पश्चिम घूमता है जिस कारण यहां सूर्योदय पश्चिम में होता है ।
- यह अपने अक्ष पर 243 दिन में घूर्णन कर लेता है । जबकि सूर्य का परिक्रमण 224 दिन में पूरा करता है ।
- अर्थात इस ग्रह का घूर्णन और परिक्रमण समान है।
- अर्थात इस ग्रह पर एक दिन । वर्ष के बराबर होगा ।
- बुध तथा शुक्र के पास उपग्रह नहीं है इसके उपग्रह को सूर्य खींच लेता है।

भोर तथा सांझ का तारा

- भोर तथा सांझ में प्रकाश काम रहता है । इसी कारण सूर्य से जब प्रकाश आता है तो बुध तथा शुक्र से टकराकर परिवर्तित होता है ।
- इस परिवर्तित प्रकाश के कारण बुध तथा शुक्र चमकीले दिखते हैं जिससे शुक्र निकट होने के कारण अधिक चमकीला दिखता है ।
- बुध एवं शुक्र दोनों को भोर तथा सांझ का तारा कहते हैं ।

मंगल

- इस पर Iron ऑक्साइड की अधिकता है । जिस कारण यह लाल दिखता है
- यह 25 डिग्री पर झुका हुआ है । जिस कारण इस पर पृथ्वी के समान ऋतु परिवर्तन देकर जाते हैं ।
- इस ग्रह पर जीवन की संभावना सर्वाधिक है ।
- इस ग्रह पर पूरे सौरमंडल का सबसे ऊंचा पर्वत मिक्स ओलंपिया है जिसकी ऊंचाई 30000 किलोमीटर है जो माउंट एवरेस्ट के 3 गुना से भी अधिक ऊंचा है ।

बृहस्पति

- यह सबसे बड़ा ग्रह है , किन्तु यह गैसीय अवस्था में है ।
- इस पर सल्फर डाइऑक्साइड की अधिकता है जिस कारण यह हल्का पीला दिखता है।
- यह एकमात्र ग्रह है जो हिमरहित है।
- यह अपने अक्ष पर सबसे तेज घूर्णन करता है । जो लगभग 9:30 घंटे में पूरा कर लेता है।
- बृहस्पति के 73 उपग्रहों में से केवल 16 उपग्रहों को ही मान्यता प्राप्त है।
- इसका सबसे बड़ा उपग्रह गेनीमेड है।
- बृहस्पति के अत्यधिक विशालता के कारण इसे तारा सदृश्य ग्रह कहते हैं।

शनि ग्रह

- यह सबसे कम घनत्व वाला ग्रह है ।
- इसका घनत्व .7gm/cm³ है ।
- कम घनत्व के कारण यह ह पानी में नहीं डूबेगा इस ग्रह के चारों ओर 7 छल्ले हैं ।
- जिन्हें ए ,बी ,सी, डी, ई ,एफ ,जी कहते हैं ।यह वलय इसी ग्रह का टुकड़ा है जो शनि के गुरुत्वाकर्षण के कारण इसी के समीप रहता है
- इन छल्लों के कारण ही शनि को आकाशगंगा सदृश ग्रह कहते हैं ।

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

इतिहास
प्राचीन भारत का इतिहास

अध्याय – 1
सिन्धु घाटी सभ्यता

- यह दक्षिण एशिया की प्रथम नगरीय सभ्यता थी ।
- इस सभ्यता को सबसे पहले हड़प्पा सभ्यता नाम दिया गया ।
- सबसे पहले 1921 में हड़प्पा नामक स्थल की खोज दयाराम साहनी द्वारा की गई थी।
- सिन्धु घाटी सभ्यता को अन्य नामों से भी जानतें हैं ।
- सैंधव सभ्यता- जॉन मार्शल के द्वारा कहा गया
- सिन्धु सभ्यता - मार्टियर व्हीलर के द्वारा कहा गया ।
- वृहत्तर सिन्धु सभ्यता – ए. आर-मुगल के द्वारा कहा ।
- सरस्वती सभ्यता भी कहा गया ।
- मेलूहा सभ्यता भी कहा गया ।
- कांस्यकालीन सभ्यता भी कहा गया ।
- यह सभ्यता मिश्र एवं मेसोपोटामिया सभ्यताओं के समकालीन थी।
- इस सभ्यता का सर्वाधिक फैलाव घग्घर हाकरा नदी के किनारे है। अतः इसे सिन्धु सरस्वती सभ्यता भी कहते हैं ।
- 1902 में लॉर्ड कर्जन ने जॉन मार्शल को भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग का महानिदेशक बनाया।
- जॉन मार्शल को हड़प्पा व मोहनजोदड़ों की खुदाई का प्रभार सौंपा गया।
- 1921 में जॉन मार्शल के निर्देशन पर दयाराम साहनी ने हड़प्पा की खोज की।
- 1922 में राखलदास बनर्जी ने मोहनजोदड़ों की खोज की।
- हड़प्पा नामक पुरास्थल सिन्धु घाटी सभ्यता से सम्बद्ध हैं ।
- 20 सितम्बर 1924 को जॉन मार्शल ने द इलस्ट्रेटेड लन्दन न्यूज' के माध्यम से इस सभ्यता की खोज की घोषणा की।

सिन्धु सभ्यता की प्रजातियाँ –

- प्रोटो-आस्ट्रेलायड - सबसे पहले आयी
- भूमध्यसागरीय - मोहनजोदड़ों की कुल जनसंख्या में सर्वाधिक
- मंगोलियन – मोहनजोदड़ों से प्राप्त पुजारी की मूर्ति इसी प्रजाति की है ।
- अल्पाइन प्रजाति ।

सिन्धु सभ्यता की तिथि

- कार्बन 14 (C^{14}) - 2500 से 1750 ई.पू.
- व्हिलेर - 2500-1700 ई.पू.
- मार्शल - 3250-2750 ई.पू.

इस सभ्यता का विस्तार

- इस सभ्यता का विस्तार पाकिस्तान और भारत में ही मिलता है।

पाकिस्तान में सिन्धु सभ्यता के स्थल

- सुत्कांगेडोर
- सोत्काकोह
- बालाकोट
- डाबर कोट

सुत्कांगेडोर- इस सभ्यता का सबसे पश्चिमी स्थल है जो दाश्क नदी के किनारे अवस्थित है। इसकी खोज ऑरेल स्टाइन ने की थी।

- सुत्कांगेडोर को हड़प्पा के व्यापार का चौराहा भी कहते हैं ।

भारत में सिन्धु सभ्यता के स्थल,

- **हरियाणा-** राखीगढ़ी, सिसवल कुणाल, बनावली, मितायल, बालू
- **पंजाब –** कोटलानिहंग खान चक्र 86 बाड़ा, संघोल, टेर माजरा
  रोपड़ (रूपनगर) - स्वतन्त्रता प्राप्ति के बाद खोजा गया पहला स्थल
- **कश्मीर** - माण्डा
  चिनाब नदी के किनारे
  सभ्यता का उत्तरी स्थल
- **राजस्थान** - कालीबंगा, बालाथल
  तरखान वाला डेरा
- **उत्तर प्रदेश**- आलमगीरपुर
  सभ्यता का पूर्वी स्थल
  - माण्डी
  - बड़गाँव

- हलास
- सनौली

- **गुजरात**
धौलावीरा, सुरकोटड़ा, देसलपुर रंगपुर, लोथल, रोजदिख्खी, तेलोद, नगवाड़ा, कुन्तासी, शिकारपुर, नागेश्वर, मेघम प्रभासपाटन भोगत्रार

- **महाराष्ट्र**- दैमाबाद

सभ्यता की दक्षिणतम सीमा
फैलाव- त्रिभुजाकार
क्षेत्रफल- 1299600 वर्ग किलो मीटर

प्रमुख स्थल एवं विशेषताएँ

- **हड़प्पा**

रावी नदी के किनारे पर स्थित इस स्थल की खोज दयाराम साहनी ने की थी। खोज - वर्ष 1921 में
उत्खनन-

- 1921-24 व 1924-25 में दयाराम साहनी द्वारा।
- 1926-27 से 1933-34 तक माधव स्वरूप वत्स द्वारा
- 1946 में मार्टीयर ह्वीलर द्वारा
- इसे 'तोरण द्वार का नगर तथा 'अर्द्ध औद्योगिक नगर' कहा जाता है।
- पिगट ने हड़प्पा एवं मोहनजोदड़ों को इस सभ्यता की जुड़वा राजधानी कहा है। इन दोनों के बीच की दूरी 640 किलोमीटर है।
- 1826 में चार्ल्स मैसन ने यहाँ के एक टीले का उल्लेख किया, बाद में उसका नाम ह्वीलर ने MOUND-AB दिया।
- हड़प्पा के अन्य टीले का नाम MOUND-F है।
- हड़प्पा से प्राप्त कब्रिस्तान को R-37 नाम दिया।
- भारत में चाँदी की उपलब्धता के प्राचीनतम साक्ष्य हड़प्पा सभ्यता से मिलते हैं।
- यहाँ से प्राप्त समाधि को HR नाम दिया
- हड़प्पा के अवशेषों में दुर्ग, रक्षा प्राचीन निवास गृह चबूतरा, अन्नागार तथा ताम्बे की मानव आकृति महत्त्वपूर्ण हैं।

मोहनजोदड़ों

- सिन्धु नदी के तट पर मोहनजोदड़ों की खोज सन् 1922 में राखलदास बनर्जी ने की थी। उत्खनन - राखलदास बनर्जी (1922-27)
   - ➢ मार्शल
   - ➢ जे.एच. मैके
   - ➢ जे.एफ. डेल्स
- मोहनजोदड़ों का नगर कच्ची ईटों के चबूतरे पर निर्मित था।
- मोहनजोदड़ों सिन्धी भाषा का शब्द, अर्थ- मृतकों का टीला मोहनजोदड़ों को स्तूपों का शहर भी कहा जाता है।
- बताया जाता है कि यह शहर बाढ़ के कारण सात बार उजड़ा एवं बसा।
- यहाँ से यूनीकॉर्न प्रतीक वाले चाँदी के दो सिक्के मिले हैं।
- वस्त्र निर्माण का प्राचीन साक्ष्य यहाँ से मिलता है। कपास के प्रमाण - मेहरगढ़
- सुमेरियन नाव वाली मुहर यहाँ से मिली है।
- मोहनजोदड़ों की सबसे बड़ी इमारत संरचना यहाँ से प्राप्त अन्नागार है। (राजकीय भण्डारागार)
- यहाँ से एक 20 खम्भों वाला सभा भवन मिला है। मैके ने इसे 'बाजार' कहा है।
- बहुमंजिली इमारतों के साक्ष्य, पुरोहित आवास, पुरोहितों का विद्यालय, पुरोहित राजा की मूर्ति, कुम्भकारों की बस्ती के प्रमाण भी मोहनजोदड़ों से मिले हैं।
- मोहनजोदड़ों का शाब्दिक अर्थ मृतकों का टीला है।
- मूर्ति पूजा का आरम्भ पूर्व आर्य काल से माना जाता है।
- बड़ी संख्या में कुओं की प्राप्ति ।
- 8 कक्षों वाला विशाल स्नानागार भी यहीं से प्राप्त हुआ हैं।

कालीबंगा-

- कालीबंगा की खोज अमलानन्द घोष द्वारा गंगानगर में की गयी थी।
- सरस्वती नदी (वर्तमान घग्घर के तट पर)
- कालीबंगा वर्तमान में हनुमानगढ़ में है।
- उत्खनन - बी.बी लाल, वी. के. थापड़ 1953 में
  कालीबंगा - काले रंग की चूड़ियाँ
- कालीबंगा - सैंधव सभ्यता की तीसरी राजधानी
- कालीबंगा से एक साथ दो फसलों की बुवाई तथा जालीदार जुताई के साक्ष्य मिले हैं।
- कालीबंगा से प्राप्त दुर्ग दो भागों में बंटा हुआ- द्विभागीकरण है।

INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

- वास्तविक संस्थापक - बिम्बिसार

दो राजधानियों वाले महाजनपद

- कौशल
- अवन्ती
- पांचाल
- गान्धार व कम्बोज से गुजरने वाला पथ उन्तरापथ कहलाता था।
- बौद्ध ग्रन्थ के अगुन्तरनिकाय में सोलह जनपदों की सूचि मिलती है ।
- पाणिनि की अष्टाध्यायी में महाजनपदों की सूची 22 बतायी गई है ।
- बौद्ध ग्रन्थ महावस्तु में सात महाजनपदों का उल्लेख है ।
- ई.पू. छठी शताब्दी में मुद्रा प्रणाली का उदय हुआ ।

अध्याय – 5

मौर्य काल एवं मौर्योत्तर काल

राजनीतिक इतिहास

- शासन काल चतुर्थ शताब्दी ई.पू. से द्वितीय शताब्दी ई.पू. तक (321-185 ई.पू)
- स्थापना चन्द्रगुप्त मौर्य द्वारा आचार्य चाणक्य (विष्णुगुप्त) के सहयोग से। (मगध में) की ।
- मौर्य शासन से पहले मगध पर नंद वंश के शासक धनानन्द का शासन था।
- मौर्य राजवंश ने लगभग 137 वर्ष तक भारत में राज किया ।
- राजधानी पाटलिपुत्र (पटना)
- साम्राज्य 52 लाख वर्ग किलोमीटर तक फैला हुआ था।

आचार्य चाणक्य

- जन्म तक्षशिला में (आचार्य)
- अन्य नाम विष्णुगुप्त, कौटिल्य
- चन्द्रगुप्त का प्रधानमंत्री तथा प्रधान पुरोहित आचार्य चाणक्य थे ।
- पुराणों में चाणक्य को "द्विजर्षभ" कहा गया है जिसका मतलब है श्रेष्ठ ब्राह्मण
- चन्द्रगुप्त मौर्य की मृत्यु के बाद भी बिन्दुसार के समय भी प्रधानमंत्री बना रहा (कुछ समय के लिए)
- चाणक्य तक्षशिला विश्वविद्यालय में आचार्य रहे थे।
- इन्होंने अर्थशास्त्र नामक पुस्तक की रचना की ।
- अर्थशास्त्र मौर्यकालीन साम्राज्य की राजव्यवस्था एवं शासन प्रणाली पर प्रकाश डालता है।
- अर्थशास्त्र में 15 अधिकरण तथा 180 प्रकरण हैं ।

चन्द्रगुप्त मौर्य (321 – 298 ई.पू.)

- चन्द्रगुप्त मौर्य 321 ई.पू. धनानन्द को हरा कर मगध का शासक बना।
- इसने सिकन्दर के उत्तराधिकारी सेल्यूकस को भी हराया था।
- सेल्यूकस की पुत्री हेलन का विवाह चन्द्रगुप्त मौर्य के साथ हुआ।
- उपाधियाँ - पाटलिपुत्रक (पालिब्रोथस)
- भारत का मुक्तिदाता

- प्रथम भारतीय साम्राज्य का संस्थापक

मेगस्थनीज

- मेगस्थनीज सेल्यूकस 'निकेटर' का राजदूत था ।
- मेगस्थनीज चन्द्रगुप्त के शासन काल में पाटलिपुत्र में कई वर्षों तक रुका।
- इसने 'इंडिका' नामक पुस्तक की रचना की जिससे मौर्यकालीन शासन व्यवस्था की जानकारी मिलती हैं।
- मेगस्थनीज भारत आने वाला प्रथम राजदूत था ।
- जस्टिन-चन्द्रगुप्त की सेना को डाकुओं का गिरोह कहते हैं ।
- यूनानियों ने चन्द्रगुप्त को सेंड्रोकोट्स नाम दिया।
- चन्द्रगुप्त जैन धर्म का अनुयायी था।
- चन्द्रगुप्त के संरक्षण में प्रथम जैन संगीति पाटलिपुत्र में हुई थी।
- चन्द्रगुप्त मौर्य ने अपना शासन अपने पुत्र बिन्दुसार को सौंप दिया था ।
- फिर वह अपने गुरु भद्रबाहु के साथ श्रवणबेलगोला (मैसूर) चला गया।
- वहां पर उसने संलेखना विधि (अन्न-जल त्याग) द्वारा मृत्यु (297/298 ई.पू.) को प्राप्त किया।
- चन्द्रगुप्त मौर्य के लिए वृषल उपनाम मुद्राराक्षस नामक ग्रन्थ में मिलता है ।
- 'वृषल' शब्द का अर्थ है निम्न कुल । चन्द्रगुप्त मौर्य को ब्राह्मण साहित्य में शुद्र कुल, बौद्ध एवं जैन ग्रन्थ में क्षत्रिय कुल तथा रोमिला थापर ने वैश्य कुल में उत्पन्न माना है ।

बिन्दुसार 298 – 273 ई.पू.

- अन्य नाम अमित्रघात था ।
- इसने अपने साम्राज्य को सुरक्षित रखने में सफलता प्राप्त की ।
- सीरिया के शासक एंटियोकस ने डायमेकस को बिन्दुसार के दरबार में भेजा था।
- बिन्दुसार आजीवक सम्प्रदाय का अनुयायी था ।
- जैन ग्रन्थों में बिन्दुसार को सिंहसेन कहा गया है ।

अशोक महान

- अशोक अपने पिता बिन्दुसार के शासन काल में प्रान्तीय प्रशासक (उज्जयनी) के पद पर था ।
- प्राचीन भारतीय इतिहास का सर्वाधिक प्रसिद्ध सम्राट सम्राट अशोक था ।
- सर्वाधिक अभिलेखीय प्रमाण इसी के काल के मिलते हैं ।
- अभिलेखों में अशोक का नाम देवानाम प्रियदर्शी लिखा मिलता है।
- सर्वप्रथम मास्की लेख में अशोक का नाम पढ़ा गया।
- अशोक महान ने श्रीनगर की स्थापना की।
- अशोक अपने प्रारम्भिक जीवन में भगवान शिव का उपासक था।

कलिंग युद्ध

- मगध के पड़ोस में कलिंग शक्तिशाली राज्य था।
- अपने राज्याभिषेक के आठवें वर्ष में 261 ई.पू. में अशोक ने कलिंग के साथ युद्ध किया था।
- यह सूचना अशोक के 13वें बड़े शिलालेख से मिलती है।
- कलिंग विजय के नरसंहार से सम्राट अशोक ने कभी युद्ध न करने का फैसला किया।
- अशोक महान ने अभिलेखों के माध्यम से राज्य की प्रजा को अपने संदेश पहुँचाये।
- अभिलेखों की भाषा
- प्राकृत (अधिकांश इसी भाषा में।)
- यूनानी
- अरामाइक
- अशोक के अभिलेख को सर्वप्रथम 1837 में जेम्स प्रिंसेप ने पढ़ा था।
- अशोक के वृहद शिलालेख (पहाड़ियों पर) 1 से 14 तक थे।
- अशोक के प्रथम वृहद शिलालेख में पशु हत्या को निषेध बताया है।
- इसका 12वाँ शिलालेख धार्मिक सहिष्णुता को दर्शाता है।
- अशोक बौद्ध धर्म का अनुयायी था।
- इसके शासन काल में तृतीय बौद्ध संगीति का आयोजन पाटलिपुत्र में हुआ।
- अशोक महान द्वारा प्रचारित की गई नीतिगत शिक्षा को अशोक का धम्म कहा गया।
- अशोक द्वारा धर्म प्रचार के लिए भेजे गये प्रचारक -
  सोन एवं उत्तरा- स्वर्णभूमि में
  महेन्द्र एवं संघमित्रा- श्रीलंका

महारक्षित - यवन प्रदेश
रक्षित - वनवासी (उ. कनाडा)

अध्याय - 2
दिल्ली सल्तनत के प्रमुख राजवंश

गुलाम वंश से लेकर लोदी वंश
दिल्ली सल्तनत
दिल्ली सल्तनत के क्रमानुसार पाँच वंश निम्नलिखित थे -

गुलाम वंश के शासक -
कुतुबुद्दीन ऐबक (1206-1210 ई. तक)

- भारत में तुर्की राज्य /दिल्ली सल्तनत /मुस्लिम राज्य की स्थापना करने वाला शासक ऐबक ही था।
- गुलाम वंश की स्थापना कुतुबुद्दीन ऐबक ने 1206 ई. में की थी । इसने अपनी राजधानी लाहौर में बनाई ।
- ऐबक का अर्थ होता है चंद्रमुखी ।
- ऐबक के राजवंश को कुतुबी राजवंश के नाम से जन जाता है ।
- मुहम्म्द गौरी ने ऐबक को अमीर-ए-आखूर अस्तबलों का प्रधान के पद पर नियुक्त किया।
- 1192 ई. के तराईन के युद्ध में ऐबक ने गौरी की सहायता की।
- तराईन के द्वितीय युद्ध के बाद गौरी ने ऐबक को अपने मुख्य भारतीय प्रदेशों का सूबेदार नियुक्त किया।
- जून 1206 में राज्याभिषेक करवाया तथा सुल्तान की बजाय मलिक/सिपहसालार की उपाधि धारण की यह उपाधि इसे मुहम्मद गौरी ने दी थी ।
- इसने अपने नाम के सिक्के भी नहीं चलाये एवं अपने नाम का खुतबा पढ़वाया (खुतबा एक रचना होती थी जो मौलवियों से सुल्तान शुक्रवार की रात को नजदीक की मस्जिद में अपनी प्रंशसा में पढ़वाते थे ।)खुतबा शासक की संप्रभूता का सूचक होता था।
- ऐबक ने प्रारंभ इंद्रप्रस्थ में दिल्ली के पास को सैनिक मुख्यालय बनाया तथा कुछ समय बाद यल्दौज तथा कुबाजा (मुहम्मद गौरी के दास) के संघर्ष को देखते हुए लाहौर को अपनी राजधानी बनाया।
- ऐबक ने यल्दौज पर आक्रमण कर गजनी पर अधिकार कर लिया, लेकिन गजनी की जनता यल्दौज के प्रति वफादार थी तथा 40 दिनों के बाद ऐबक ने गजनी छोड़ दिया ।

ऐबक की मृत्यु -

- 1210 ई. में लाहौर में चौगान पोलो खेलते समय घोड़े से गिर जाने के कारण ऐबक की मौत हो गई। इसका मकबरा लाहौर में ही बनाया गया है ।
- भारत में तुर्की राज्य का वास्तविक संस्थापक कुतुबुद्दीन ऐबक को मान जाता है ।
- भारत में मुस्लिम राज्य का संस्थापक मुहम्मद गौरी को माना जाता है । स्वतंत्र मुस्लिम राज्य का संस्थापक कुतुबुद्दीन ऐबक को माना जाता है ।
- कुत्तुबुद्दीन ऐबक के दरबार में हसन् निजामी एवं फख-ए-मुदब्बिर आदि प्रसिद्ध विद्वान थे ।
- 'कुव्वत-उल-इस्लाम -"अढ़ाई दिन का झोंपड़ा बनवाया । तथा 'कुतुबमीनार 'का निर्माण कुतुबुद्दीन ऐबक ने शुरू करवाया और इल्तुतमिश ने पूरा किया। कुतुबमीनार शेख ख्वाजा कुतुबुद्दीन बख्तियार काकी की स्मृति में बनवाया गया है ।
- कुतुबुद्दीन ऐबक को अपनी उदारता एवं दानी प्रवृति के कारण लाखबख्श (लाखों का दानी)कहा गया है ।
- इतिहासकार मिन्हाज ने कुतुबुद्दीन ऐबक को उसकी दानशीलता के कारण हातिम द्वितीय की संज्ञा दी है ।
- प्राचीन नालन्दा विश्वविद्यालय को ध्वस्त करने वाला ऐबक का सहायक सेनानायक बख्तियार खिलजी था ।

इल्तुतमिश (1210-1236 ई.)

- मलिक शम्सुद्दीन इल्तुतमिश ऐबक का दामाद था, न कि उसका वंशज। इल्तुतमिश का शाब्दिक अर्थ राज्य का रक्षक स्वामी होता है।। उसका समानार्थक शब्द आलमगीर या जहाँगीर विश्व विजेता भी होता है ।
- ऐबक की मृत्यु के समय इल्तुतमिश बदायूँ यू.पी. का इक्तेदार था।
- इल्तुतमिश दिल्ली सल्तनत का वास्तविक संस्थापक तथा प्रथम वैधानिक सुल्तान था। जिसने दिल्ली को अपने राजधानी बनाया ।
- इसने 1229 ई. में बगदाद के खलीफा अल-मुंतसिर-बिल्लाह से सुल्तान की उपाधि व खिलअत इजाजत प्राप्त की।
- इल्तुतमिश ने अपने नाम का खुतबा पढ़वाया तथा मानक सिक्कें टंका चलाया था। टंका चांदी का होता था (1 टंका =48 जीतल)
- इल्तुतमिश यह पहला मुस्लिम शासक था जिसने सिक्कों पर टकसाल का नाम अंकित करवाया था।
- शहरों में इल्तुतमिश ने न्याय के लिए काजी, अमीर-ए-दाद जैसे अधिकारी नियुक्त किये।

- इल्तुतमिश ने अपने 40 तुर्की सरदारों को मिलाकर तुर्कान-ए-चहलगामी नामक प्रशासनिक संस्था की स्थापना की थी।

इक्ता प्रणाली का संस्थापक -

- इल्तुतमिश ने प्रशासन में इक्ता प्रथा को भी स्थापित किया। भारत में इक्ता प्रणाली का संस्थापक इल्तुतमिश ही था। इक्ता का अर्थ है – धन के स्थान पर तनख्वाह के रूप में भूमि प्रदान करना।
- इसने दोआब गंगा-यमुना क्षेत्र में हिन्दुओं की शक्ति तोड़ने के लिए शम्सीतुर्की उच्च वर्ग सरदारों को ग्रामीण क्षेत्र में इक्तायें जागीर बांटी।
- 1226 में रणथंभौर पर आक्रमण
- 1227 में नागौर पर आक्रमण
- 1232 में मालवा पर आक्रमण - इस अभियान के दौरान इल्तुतमिश उज्जैन से विक्रमादित्य की मूर्ति उठाकर लाया था।
- 1235 में ग्वालियर का अभियान -इस अभियान के दौरान इल्तुतमिश ने अपने पुत्रों की बजाय पुत्री रजिया को उत्तराधिकारी घोषित किया।
- 1236 ई. में बामियान अफगानिस्तान पर आक्रमण। यह इल्तुतमिश का अंतिम अभियान था।
- इल्तुतमिश पहला तुर्क सुल्तान था जिसने शुद्ध अरबी सिक्के चलाये।
- इल्तुतमिश के दरबार में मिन्हाज-उस-सिराज मलिक दाजुद्दीन को संरक्षण मिला।
- अजमेर की मस्जिद का निर्माण इल्तुतमिश ने करवाया था।
- इल्तुतमिश से सम्बन्धित 'हश्म-ए-कल्ब 'या कल्ब-ए-सुल्तानी सुल्तान द्वारा स्थापित सेना को कहा जाता था।
- इल्तुतमिश को भारत में गुम्बद निर्माण का पिता कह जाता है उसने सुल्तानगढ़ी का निर्माण करवाया।

निर्माण कार्य-

- स्थापत्य कला के अन्तर्गत इल्तुतमिश ने कुतुबुद्दीन ऐबक के निर्माण कार्य कुतुबमीनार को पूरा करवाया। भारत में सम्भवतः पहला मकबरा निर्मित करवाने का श्रेय भी इल्तुतमिश को दिया जाता है।
- इल्तुतमिश ने बदायूँ की जामा मस्जिद एवं नागौर में अतारकिन के दरवाजा का निर्माण करवाया। उसने दिल्ली में एक विद्यालय की स्थापना की।

मृत्यु -

- बयाना पर आक्रमण करने के लिए जाते समय मार्ग में इल्तुतमिश बीमार हो गया। इसके बाद इल्तुतमिश की बीमारी बढ़ती गई। अन्ततः अप्रैल 1236 में उसकी मृत्यु हो गई।
- इल्तुतमिश प्रथम सुल्तान था, जिसने दोआब के आर्थिक महत्व को समझा था और उसमें सुधार किया था।
- इल्तुतमिश का मकबरा दिल्ली में स्थित है जो एक कक्षीय मकबरा है।

रजिया सुल्तान (1236-1240 ई).

- सुल्ताना रजिया (उसका पुरा नाम'जलॉलात उद-दिन-रजिया था)का जन्म -1205 ई. में बदायूँ में हुआ था, उसने उमदत -उल -निस्वाँ की उपाधि ग्रहण की।
- रजिया ने पर्दा प्रथा को त्यागकर पुरूषों के समान काबा चोगा पहनकर दरबार की कारवाई में हिस्सा लिया।
- दिल्ली की जनता ने उसे 'रजिया सुल्तान' मानकर दिल्ली की गद्दी पर बैठा दिया। हालांकि वजीर जुनैदी उससे प्रसन्न नहीं था इसलिए इस समय उसने ही रजिया के सिंहासनारोहरण का विरोध किया। रजिया ने उसके बाद वजीर का पद ख्वाजा मुहाजबुद्दीन को दिया।
- वह दिल्ली सल्तनत की पहली एवं आखिरी मुस्लिम महिला शासिका थी।
- 'सुल्तान रजियत अल दुनिया वाल दीन बिन्त अल सुल्तान' के रूप में सिक्के ढाले गये।
- शासक बनने पर रजिया ने उदमत-उल-निस्वां की उपाधि धारण की।
- रजिया ने प्रथम अभियान 'रणथम्भौर' पर किया तदुपरान्त ग्वालियर पर हमला किया गया। हालांकि दोनों अभियान असफल रहे।
- रजिया ने महिला वस्त्र त्यागकर पुरुषों के वस्तु काबा (कुर्ता) एवं कुलाह(पगड़ी) धारण करने लगी।
- रजिया ने अल्तुनिया से शादी कर ली। अक्टूबर 1240 ई. में कैथल में डकैतों ने रजिया एवं अल्तुनिया की हत्या कर दी। और इस तरह 3 वर्ष 6 माह और 6 दिन तक शासन करने वाली रजिया का अन्त हुआ।"

मुइजुद्दीन बहरामशाह (1240-1242 ई)

- बहरामशाह एक मुस्लिम तुर्की शासक था, जो दिल्ली का सुल्तान था। बहरामशाह गुलाम वंश का था। रजिया सुल्तान को अपदस्थ करके तुर्की सरदारों ने मुइजुद्दीन बहराम शाह को दिल्ली के तख्त पर बैठाया (1240-1242 ई)

- नील आंदोलन की शुरुआत सितम्बर 1859 ई. में बंगाल के नदिया जिले के गोविंदपुर गाँव में हुई थी । नील आंदोलन की शुरुआत दिगम्बर और विष्णु विश्वास ने की थी ।
- 1857 ई. की क्रांति को इतिहासकार आर. सी. मजुमदार ने कहा है कि 1857 का विद्रोह स्वतन्त्रता संग्राम नहीं था ।
- प्लासी के युद्ध के समय मुगल बादशाह आलमगीर था।
- रॉबर्ट क्लाइव को स्वर्ग से उत्पन्न सेनानायक कहा गया है ।
- महाराजा रणजीत सिंह ने सुप्रसिद्ध कोहिनूर हीरा शाहशुजा से प्राप्त किया था ।
- अर्जुनगाँव की संधि – 1803 ई. में हुई ।
- 1857 के विद्रोह के दौरान मुगल बादशाह बहादुर शाह जफर ने अपना सेनापति बख्त खाँ को नियुक्त किया था ।
- 1857 के विद्रोह में शायर मिर्जा गालिब अंग्रेजों का आलोचक बना था ।
- वी. डी. सावरकर ने 1857 के विद्रोह को स्वतंत्रता की पहली लड़ाई कहा था ।
- 1946 में बंगाल में तेभागा आंदोलन चलाया गया था इसके मुख्य नेता कम्पाराम सिंह एवं भवन सिंह थे । यह आंदोलन भूमिकर की ऊँची दर के विरोध में चलाया गया था ।
- हिस्ट्री ऑफ इंडियन म्यूटिनी पुस्तक के लेखक टी.आर. होम्स थे ।
- रिबेलयिन 1857 पुस्तक के लेखक पी.सी. जोशी थे ।
- फर्स्ट वार ऑफ इंडिपेंडेंस पुस्तक के लेखक विनायक दामोदर सावरकर थे ।
- वाराणसी में प्रथम संस्कृत विश्वविद्यालय की स्थापना जोनाथन डंकन ने की थी ।
- शिक्षा के प्रसार हेतु 1 लाख रुपए खर्च करने का अधिकार चार्टर अधिनियम 1813 को गवर्नर जनरल को दिया गया ।
- लॉर्ड मैकाले अंग्रेजी शिक्षा पद्धति से संबंधित हैं ।
- भारत में अंग्रेजी वायसराय शिक्षा लॉर्ड विलियम बैंटिक के शासन काल में आरम्भ की गई थी ।

अध्याय – 5
भारत में राष्ट्रीय जागरण या आंदोलन

- भारत में राष्ट्रीय जागरण का काल 19 वीं शताब्दी का मध्य तथा उतरार्द्ध माना जाता है ।
- भारत में राष्ट्रीय जागरण के बारे में श्रीमति एनीबेसेंट ने कहा था की इस विराट आंदोलन के पीछे शताब्दियों का इतिहास है ।
- भारतीय इतिहास में 18 वीं शताब्दी को 'अंधकार का युग' कहा जाता है ।
- राजा राममोहन राय को आधुनिक भारत का पिता तथा नये युग का अग्रदूत कहा जाता है ।
- राजा राममोहन राय को पुनर्जागरण का 'सुबह का तारा 'कहा जाता है ।
- ब्रह्म समाज की स्थापना राजा राममोहन राय द्वारा 20 अगस्त 1828 ई. को कलकत्ता में की गयी । जिसका उद्देश्य तत्कालीन हिन्दू समाज में व्याप्त बुराइयों जैसे सती प्रथा, बहु विवाह, वेश्यागमन जातिवाद अस्प्रश्यता आदि को समाप्त करना था ।
- ब्रह्म समाज आंदोलन का मुख्य सिद्धांत ईश्वर एक है ।
- राजा राममोहन राय को भारतीय पुनर्जागरण का मसीहा माना जाता है ।
- राजा राममोहन राय की प्रमुख कृतियों में 'प्रीसेप्ट्स ऑफ जीसस' प्रमुख है । इन्होंने संवाद कौमुदी (बांग्ला भाषा) तथा मिरातुल अखबार (फारसी भाषा) का भी सम्पादन किया ।
- राजा राममोहन राय ने 1814 ई. में आत्मीय सभा की स्थापना की 1815 ई. में इन्होंने वेदान्त कॉलेज के स्थापना की ।
- इन्होंने सती प्रथा के विरुद्ध आंदोलन चलाया तथा पाश्चात्य शिक्षा के प्रति अपना समर्थन दिया ।
- कालांतर में देवेन्द्रनाथ टैगोर 1818 ई. 1905 ई. ने ब्रह्म समाज को आगे बढाया इनके द्वारा ही केशवचन्द्र सेन को ब्रह्म समाज का आचार्य नियुक्त किया गया ।
- लॉर्ड मैकाले ने अंग्रेजी शिक्षा पद्धति का सूत्रपात किया था ।
- 1829 ई. में विलियम बैंटिक ने भारत में सती प्रथा पर रोक लगा दी इस कार्य में सहयोग देने में राजा राममोहन राय की प्रमुख भमिका थी ।

- **आर्य समाज के संस्थापक स्वामी दयानंद सरस्वती थे।**
- इन्होंने 1875 ई. में बम्बई में आर्य समाज की स्थापना की थी। आर्य समाज की स्थापना का मुख्य उद्देश्य मुसलमानों को पुनःहिन्दू धर्म ग्रहण करने की प्रेरणा देना था
- स्वामी दयानंद सरस्वती को बचपन में मूलशंकर के नाम से जाना जाता था। इनके गुरु स्वामी विरजानन्द थे।
- राममोहन राय को राजा की उपाधि मुगल बादशाह अकबर द्वितीय ने प्रदान की थी।
- राजा राममोहन राय की समाधी ब्रिस्टल (इंग्लैण्ड) में स्थित है।
- इन्होंने अपने उपदेशों में मूर्ति पूजा, बहुदेववाद, अवतारवाद, पशुबलि, श्राद्ध, जंत्र, तंत्र, मंत्र, झूठे कर्मकांड, आदि की आलोचना की तथा पुनः 'वेदों की ओर लोटो का नारा दिया था।
- इनके विचारों का संकलन इनकी कृति 'सत्यार्थ प्रकाश' में मिलता है जिसकी रचना इन्होंने हिंदी में की थी।
- सामाजिक सुधार के क्षेत्र में इन्होंने छुआछुत एवं जन्म के आधार पर जाति प्रथा की आलोचना की।
- भारत का समाज सुधारक मार्टिन लूथर किंग दयानंद सरस्वती को कहा जाता है।
- स्वामी दयानन्द सरस्वती ने सर्वप्रथम स्वराज शब्द का प्रयोग किया और हिंदी को राष्ट्र भाषा माना।
- बंगाली नेता राधाकांत देव ने सती प्रथा का समर्थन किया था।
- स्वामी दयानंद सरस्वती द्वारा चलाये गए शुद्धि आंदोलन के अंतर्गत उन लोगों को पुनः हिन्दू धर्म में आने का मौका मिला जिन्होंने किसी कारणवश कोई और धर्म स्वीकार कर लिया था।
- समाज सुधारक महादेव गोविन्द रानाडे को महाराष्ट्र का सुकरात कहा जाता है।
- स्वामी दयानंद सरस्वती के अनुयायियों में लाला हंसराज ने 1886 ई. में लाहौर में 'दयानंद एंग्लो वैदिक कॉलेज की स्थापना की तथा स्वामी श्रद्धानन्द ने 1901 ई. में हरिहर के निकट कांगड़ी में गुरुकुल की स्थापना की।

<u>भारतीय संस्था थियोसिफिकल सोसायटी</u>

- भारतीय संस्था थियोसिफिकल सोसायटी की स्थापना 1875 ई. में मैडम ब्लावत्सकी एवं कर्नल आल्कोट ने न्यूयॉर्क में की थी।
- जनवरी 1882 ई. में वे भारत आये तथा मद्रास में अड्यार के निकट मुख्यालय स्थापित किया।
- भारत में इस आंदोलन की गतिविधियों को फेलाने का श्रेय श्रीमती एनीबेसेंट को दिया जाता है।
- 1898 ई. में उन्होंने बनारस में सेंट्रल हिन्दू कॉलेज की स्थापना की जो आगे चलकर 1916 ई. में बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय बन गया। आयरलेंड की होमरूल लीग की तरह बेसेंट ने भारत में होमरूल लीग की स्थापना की।
- स्वामी विवेकनद की मुख्य शिष्या सिस्टर निवेदिता थी।
- वास्तव में भारत की एकता इसकी विभिन्नताओं में ही निहित है। हिन्दू धर्म एवं संस्कृति ने सम्पूर्ण देश को एक सूत्र में सदा से बांध रखा है। यह विचार बीसेंट स्मिथ का है।
- 1893 ई. में शिकागो सम्मलेन में स्वामी विवेकान्द ने भाग लिया था।
- रामकृष्ण मिशन की स्थापना स्वामी वेवेकानंद ने 1897 ई. में की थी।
- रामकृष्ण आंदोलन के मुख्य प्रेरक स्वामी रामकृष्ण परमहंस थे रामकृष्ण की शिक्षाओं के प्रचार का श्रेय उनके योग्य शिष्य स्वामी विवेकानंद (नरेन्द्र नाथ दत्त) को दिया जाता है।
- 1893 ई. में 14 वर्ष के बाद योगी राज अरविन्द घोष 1872 -1950 ई. की भारत भूमि पर वापसी हुई। (1893 ई. में उन्होंने एक लेखमाला न्यू लैम्प फॉर ओल्ड ") प्रकाशित किया।
- राजनैतिक सुधारों को लेकर विरोध करने वाले पहले भारतीय सुरेन्द्रनाथ बनर्जी थे।
- प्रार्थना समाज की स्थापना 1867 ई. में केशव चन्द्र सेन के सहयोग से डॉ. आत्माराम पांडुरंग ने बम्बई में की थी।
- भारत सेवक समाज सर्वेन्ट्स ऑफ़ इण्डिया सोसायटी की स्थापना 1905 ई. में गोपाल कृष्ण गोखले ने बम्बई में की थी।
- व्यक्तिगत सत्याग्रह को दिल्ली चलो सत्याग्रह के नाम से जाना जाता है। व्यक्तिगत सत्याग्रह की शुरुआत पवनार से 17 अक्टूबर 1940 से आरम्भ हुई थी।
- सत्यशोधक समाज की स्थापना ज्योतिबा फुले द्वारा की गयी थी।
- सम्पति के निष्कासन के सिद्धांत के प्रतिपादक दादा भाई नौरोजी थे।

INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

- भारतीयों द्वारा अंग्रेजी भाषा में प्रकाशित प्रथम समाचार पत्र हिन्दू पैंट्रियॉट था।
- बहिष्कृत भारत पत्रिका का संबंध डॉ. भीमराव अम्बेडकर से था।
- महात्मा गाँधी द्वारा स्थापित हरिजन सेवक संघ के संस्थापक अध्यक्ष घनश्याम दास बिडला थे।
- भारत में यंग बंगाल आंदोलन प्रारम्भ करने का श्रेय हेनरी विवियन डिरोजियो को है एंग्लो -इंडियन डिरोजियो कलकत्ता में हिन्दू कॉलेज के अध्यापक थे।
- स्वदेशवाहिनी नामक पत्रिका के सम्पादक के. रामकृष्ण पिल्लै थे।
- डिरोजियो ने ईस्ट इण्डिया नामक दैनिक पत्र का भी सम्पादन किया
- हेनरी विवियन डिरोजियो को आदुनिक भारत का प्रथम राष्ट्रवादी कवि माना गया है।
- महात्मा गाँधी ने 1924 ई. में बेलगाँव कांग्रेस अधिवेशन के अध्यक्षता की थी।
- इंडियन नेशन अखबार का प्रकाशन पटना से होता था।
- साधारण ब्रह्म समाज की स्थापना 1878 ई. में कलकत्ता में शिवनाथ शास्त्री, आनंद मोहन बोस ने की थी।
- हाली पद्धति बँधुआ मजदूरी से संबंधित है।
- विधवा पुनर्विवाह को कानूनी रूप से वैध करवाने में ईश्वरचन्द्र विद्यासागर की महत्वपूर्ण भूमिका रही थी।
- बहुजन समाज के संस्थापक मुकुंद राव पाटिल थे।
- पंडित रामाबाई सरस्वती द्वारा महिलाओं के उत्थान के लिए आर्य महिला समाज की स्थापना की गयी।
- भारत में मुस्लिम सुधार आंदोलन का प्रवर्तक सर सैयद अहमद खान को माना जाता है।
- ब्राह्मणों की सर्वोच्चता को चुनौती देने के लिए आत्म सम्मान आंदोलन वी. रामास्वामी नायकर के द्वारा चलाया गया।
- गुलामगिरी पुस्तक के लेखक ज्योतिबा फुले थे।
- धर्म सभा की स्थापना 1829 ई. में कलकत्ता में राधाकांत देव ने की थी।
- द्वारकानाथ टैगोर द्वारा वर्ष 1838 में स्थापित भारत की प्रथम राजनैतिक संस्था लैंडहोल्डर्स सोसायटी थी।
- वन्देमातरम समाचार पत्र 1909 ई. में प्रकाशित किया गया इसके संस्थापक लाला हरदयाल, श्यामजी कृष्ण वर्मा थे।
- महात्मा गाँधी केवल एक बार भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष चुने गए थे।
- भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का प्रथम अधिवेशन 27 दिसम्बर 1885 को मुम्बई में हुआ था।
- वहाबी आंदोलन को भारत में सबसे ज्यादा प्रचारित करने का श्रेय सैयद अहमद बरेलवी एवं इस्लाम हाजी मौलवी मोहम्मद को दिया जाता है।
- **उदारवादी आंदोलन**
- भारतीय राष्ट्रीयता का जनक उदारवादियों को कहा जाता है।
- भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का जनक ए.ओ.ह्युम को कहा जाता है।
- इंडियन नेशनल यूनियन ने दिसम्बर 1884 में एक कॉन्फ्रेंस को बुलाने का निर्णय लिया था, जिसमें इंडियन नेशनल कांग्रेस की स्थापना की गयी।
- एनी बेसेंट ने कॉमनवील साप्ताहिक पत्रिका के माध्यम से स्वशासन की माँग की।
- मोहम्मद अली जिन्ना को हिन्दू-मुस्लिम एकता का दूत सरोजनी नायडू ने कहा था।
- कांग्रेस की स्थापना के संदर्भ में सेफ्टी वॉल्व का सिद्धांत लाला लाजपत राय के द्वारा दिया गया था।
- अखिल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना 28 दिसम्बर 1885 को हुई थी इसके प्रथम अध्यक्ष व्योमेशचन्द्र बनर्जी थे।
- भारत के तेजस्वी पितामह के नाम से दादाभाई नौरोजी जाने जाते हैं।
- भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के दूसरे अधिवेशन की अध्यक्षता दादाभाई नौरोजी ने की थी।
- ये उदारवादी वैधानिक तरीके में विश्वाश करते थे।
- बाल गंगाधर तिलक को अशांति का जनक वेलेंटाइन शिरोल ने कहा था।
- फेबियन आंदोलन का प्रस्ताव एनी बेसेंट ने दिया था।
- भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना के समय भारत का वायसराय लॉर्ड डफरिन थे।
- कांग्रेस के उदारवादी नेताओं की कार्य प्रणाली शांतिपूर्ण प्रतिरोध थी।
- लाला लाजपत राय के अनुसार भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना का मुख्य उद्देश्य अंगेजी साम्राज्य को खतरे से बचाना था।
- यंग इंडिया नामक पुस्तक के रचियता लाला लाजपत राय थे।
- 1915 में अमेरिका में होमरूल लीग का गठन लाला लाजपतराय के द्वारा किया गया था।
- भारतीय ग्लेडस्टोन के नाम से सुरेन्द्र नाथ बनर्जी विख्यात थे।

भारतीय संस्कृति
अध्याय – I

संस्कृति के कुछ महत्वपूर्ण विषय

भारत के प्रमुख शास्त्रीय नृत्य / नर्त

शास्त्रीय नृत्य	सम्बन्धित राज्य	प्रमुख नर्तक
भरतनाट्यम	तमिलनाडु	यामिनी कृष्णामूर्ति , टी बाला सरस्वती , रुक्मिणी देवी , सोनल मानसिंह , मृणालिनी साराभाई , वैजयन्ती माला , हेमामालिनी
कथकली	केरल	मृणालिनी साराभाई , गुरु शंकरन , नम्बूदरीपाद , शंकर कुरूप , के सी पणिक्कर
मोहिनीअट्टम	केरल	भारती शिवाजी , तंकमणि शांताराव
कुचिपुड़ी	आन्ध्र प्रदेश	यामिनी कृष्णमूर्ति , राधा रेड्डी , राजा रेड्डी , स्वप्न सुन्दरी
कत्थक	उत्तर प्रदेश तथा राजस्थान	बिरजू महाराज , अच्छन महाराज , गोपीकृष्ण , सितारा देवी , रोशन कुमारी , उमा शर्मा
ओडिसी	ओडिशा	प्रोतिमा देवी , संयुक्ता पाणिग्रही , सोनल मानसिंह , केलुचरण महापात्र , माधवी मुदगल
मणिपुरी	मणिपुर	सूर्यमुखी देवी , गुरु विपिन सिंह

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

भारत के प्रमुख लोकनृत्य

राज्य	लोकनृत्य
असम	बिहू, खेलगोपाल , कलिगोपाल , बोईं साजू , नटपूजा मीदू ।
पंजाब	कीकली , भाँगड़ा , गिद्दा
हिमाचल प्रदेश	जद्दा , नाटी , चम्बा , छपेली
हरियाणा	धमाल , खोरिया , फाग , डाहीकल
महाराष्ट्र	लेजिम , तमाशा , लावनी , कोली
जम्मू - कश्मीर	दमाली , हिकात , दण्डी नाच , राऊ , लडाखी
राजस्थान	गणगौर , झूमर , घूमर , झूलन लीला
गुजरात	गरबा , डाण्डिया रास , पणिहारी , रासलीला , लास्या , गणपति भजन
बिहार	जट - जाटिन , घुमकड़िया , कीर्तनिया , पंवारियाँ , सोहराई , सामा , चकेवा , जात्रा
उत्तर प्रदेश	डांगा , झींका , छाऊ , लुझरी , झोरा , कजरी , नौटंकी , थाली , जद्दा
केरल	भद्रकली , पायदानी , कुड़ीअट्टम , कालीअट्टम , मोहिनीअट्टम
पश्चिम बंगाल	करणकाठी , गम्भीरा , जलाया , बाउल नृत्य , कथि , जात्रा
नागालैण्ड	कुमीनागा , रेंगमनागा , लिम , चोंग , युद्ध नृत्य , खेवा
मणिपुर	संकीर्तन , लाईहरीबा , थांगटा की तलम , बसन्तराम , राखाल
मिजोरम	चेरोकान , पाखुलिया नृत्य
झारखण्ड	सुआ , पंथी , राउत , कर्मा , फुलकी डोरला , सरहुल , पाइका , नटुआ , छऊ
ओडिशा	अग्नि , डंडानट , पैंका , जदूर , मुदारी , आया , सवारी , छाऊ
उत्तराखंड	चांचरी / झोड़ा , छपेली , छोलिया , झुमैलो , जागर , कुमायूँ नृत्य
कर्नाटक	यक्षगान , भूतकोला , वीरगास्से , कोडावा
आन्ध्र प्रदेश	घण्टामर्दाला , बतकम्मा , कुम्मी , छड़ी , सिद्धि माधुरी
छत्तीसगढ़	सुआ करमा , रहस , राउत , सरहुल , बार , नाचा , घसिया बाजा , पंथी
तमिलनाडु	कोलट्टम , कुम्मी कारागम्
उत्तराखंड	जागर , चौंफला , छपेली , छोलिया

प्रसिद्ध वाद्य यन्त्र एवं वादकवाद्य यन्त्र	वादक
बाँसुरी	हरिप्रसाद चौरसिया , रघुनाथ सेठ , पन्नालाल घोष , प्रकाश सक्सेना , देवेन्द्र मुक्तेश्वर , प्रकाश बढ़ेरा , राजेन्द्र प्रसन्ना
वायलिन	बालमुरली कृष्णन , गोविन्दस्वामी पिल्लई , टी एन कृष्णन , आर पी शास्त्री , सन्दीप ठाकुर , बी शशि कुमार , एन राजम
सरोद	अली अकबर खाँ , अलाउद्दीन खाँ , अशोक कुमार राय , अमजद अली खाँ
सितार	पं । रविशंकर , उस्ताद विलायत खाँ
शहनाई	बिस्मिल्ला खाँ , शैलेश भागवत , अनन्त लाल , भोलानाथ तमन्ना , हरिसिंह
तबला	अल्ला रक्खा , जाकिर हुसैन , लतीफ खाँ , गुदई महाराज , अम्बिका प्रसाद
हारमोनियम	रवीन्द्र तालेगांवकर , अप्पा जुलगावकर , महमूद ब्रह्मस्वरूप सिंह , एस । बालचन्द्रन , असद अली , गोपालकृष्ण
वीणा	पं । शिवकुमार शर्मा , तरुण भट्टाचार्य

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

अर्थशास्त्र
भारतीय अर्थव्यवस्था
अध्याय – I

अर्थशास्त्र की मूलभूत अवधारणाएँ

- **अर्थशास्त्र** का अर्थ होता है धन संबंधी एवम शास्त्र का अर्थ होता है अध्ययन। अंततः धन से संबंधित अध्ययन की प्रणाली को ही हम अर्थशास्त्र कहते हैं।
- किसी राष्ट्र द्वारा आपने नागरिकों की सामाजिक – आर्थिक स्थिति में सुधार करने के उद्देश से , उपलब्ध संसाधनों का समुचित नियोजन करते हुए, मुद्रा (money) को केंद्र में रख कर बनाई गई व्यवस्था ही **अर्थव्यवस्था** कहलाती है।
- अर्थशास्त्र का जनक **एडम स्मिथ** को कहा जाता है।
- भारतीय अर्थव्यवस्था विकासशील अर्थव्यवस्था मानी जाती है ।
- भारतीय अर्थव्यवस्था की मुख्य विशेषताये है – कृषि की प्रधानता ,प्रति व्यक्ति न्यूनतम आय तथा बढती बेरोजगारी
- भारत की अर्थव्यवस्था मिश्रित अर्थव्यवस्था (Mixed economy) है ,जिसमें सार्वजनिक एंव निजी क्षेत्र मिल-जुलकर कार्य करते है । इस अर्थव्यवस्था में पूंजीवाद(capitalist) एंव समाजवादी(socialist) दोनों अर्थव्यवस्थाओं की विशेषताये पायी जाती है ।
- मिश्रित अर्तव्यवस्था की संकल्पना अर्थशास्त्री जॉन मेनार्ड कीन्स के विचारों से प्रेरित थी ।

- **पूँजीवादी अर्थव्यवस्था (Capitalist Economy):-** जिस अर्थव्यवस्था में उत्पादन के साधनों पर निजी स्वामित्व पाया जाता है तथा वस्तुओं एवं सेवाओं का उत्पादन निजी लाभ के लिए किया जाता है उसे पूँजीवादी अर्थव्यवस्था कहते हैं।
  अर्थात् यहाँ आर्थिक गतिविधियों पर सरकार का न्यूनतम नियंत्रण होता है तथा निजी क्षेत्र अधिक प्रभावकारी एवं स्वतंत्र होता है

- **समाजवाद अर्थव्यवस्था**
- समाजवाद का विचार सबसे पहले **कार्ल मार्क्स और फ्रेड्रिक एंगेल्स** ने अपनी पुस्तक **'द कम्युनिस्ट मेनिफेस्टो** में प्रस्तुत किया हैं।
- **समाजवाद अर्थव्यवस्था**(socialist economy) का जनक **कार्ल मार्क्स** को माना जाता है ।
- **गाँधीवादी अर्थव्यवस्था**(gandhian economy) **न्यास(trusteeship)** सिद्धांत पर आधारित है

- **विकसित अर्थव्यवस्था**(developed economy) में राष्ट्रीय आय और प्रतिव्यक्ति आय एक निर्धारित स्तर से ऊपर पायी जाती है ।
- **मिश्रित अर्थव्यवस्था (Mixed Economy) :-**
- यहाँ, उत्पादन की कुछ योजनाएं राज्य द्वारा सीधे या इसके राष्ट्रीयकृत उद्योगों के माध्यम से शुरू की जाती है, और कुछ कोनिजी उद्यम के लिए छोड़ दिया जाता
- **बंद अर्थव्यवस्था(Closed economy)** का अर्थ है – आयत-निर्यात गतिविधियाँ न होना या अन्य देशों से कोई व्यापारिक सम्पर्क नहीं होना ।
- विकसित अर्थव्यवस्था और अल्पविकसित /विकासशील अर्थव्यवस्था में अंतर -

अर्थव्यवस्था के क्षेत्रक:-

प्राथमिक क्षेत्र	**द्वितीयक क्षेत्र**	**तृतीयक क्षेत्र**
कृषि एवं कृषि से संबद्ध क्षेत्र	औद्योगिक क्षेत्र	सेवा क्षेत्र
कृषि ,वानिकी मत्स्य पालन खनन एवं उत्खनन	निर्माण विनिर्माण विद्युत ,गैस एवं जलापूर्ति , भवन , कपड़ा, इलेक्ट्रॉनिक वस्तुएँ।	परिवहन और संचार, बैंकिंग और बीमा , व्यापार एव भण्डारण सामुदायिक सेवाएँ , होटल

- वर्ष 2011-2019 के मध्य कृषि ,उधोग तथा सेवा में से सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर निरंतर बढ़ी है ।
- अहस्तक्षेप के सिद्धांत(laissez fair) का प्रतिपादन एडम स्मिथ ने किया था ।
- अर्थव्यवस्था में उच्चस्तरीय निर्णय लेने वाले संस्थानों को पंचम क्षेत्र में शामिल किया गया है ।
- अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में **प्रथम नोबेल पुरस्कार** वर्ष 1969 में **राग्नार फ्रिस्क और जॉन टिनबर्गन** को प्रदान किया गया था ।
- अब तक दो **भारतीय** ऐसे है ,जिन्होंने अर्थशास्त्र का नोबेल जीता **पहले व्यक्ति अमर्त्य सेन है जिन्होंने 1998** में पुरस्कार प्राप्त किया था और **दूसरे अभिजित बनर्जी जिन्हें 2019** में उनकी पत्नी एस्थर डूफ्लो तथा अमेरिकी मूल की माइकल क्रेमर के साथ सयुक्त रूप से वैश्विक गरीबी उन्मूलन में प्रयोगात्मक दृष्टिकोण(Experimental approach in global poverty alleviation) हेतु नोबेल दिया गया था ।

- भारतीय अर्थव्यवस्था के उदारीकरण का अग्रदूत (harbinger of liberalization) **डॉ मनमोहन सिंह** को कहा जाता है ।
- विश्व की 10 शीर्ष अर्थव्यवस्थाऐ (2019)

नॉमिनल जी.डी.पी पर आधारित(यू.एस. ट्रिलियन डॉलर में)

क्रम	**देश**	**जी.डी.पी**
1	अमेरिका	21.49
2	चीन	14.17
3	जापान	5.22
4	जर्मनी	3.9
5	भारत	2.94
6	यू.के.	2.83
7	फ्रांस	2.81
8	इटली	2.0
9	ब्राजील	1.8
10	कोरिया	1.6

अध्याय – 2

राष्ट्रीय आय और उत्पाद (National Income and Product)

- किसी निश्चित अवधि के लिए एक देश की राष्ट्रीय आय (national income) एक वित्तीय वर्ष (1 अप्रैल से 31 मार्च) में उत्पादित अंतिम वस्तुओं और सेवाओं के मौद्रिक मूल्य के बराबर होती है ।
- राष्ट्रीय आय = घरेलू आय + विदेशों से प्राप्त शुद्ध कारक आय
- राष्ट्रीय आय लेखा प्रणाली (national income accounting system) का जन्मदाता **साइमन कुजनेट्स** को कहा जाता है ।
- भारत में राष्ट्रीय आय का आंकलन केन्द्रीय सांख्यिकी संगठन (central statistics office) द्वारा किया जाता है ।
- जी.डी.पी(GDP) आंकडों में आधार वर्ष 2004-05 को बदल कर वर्ष 2011-12 कर दिया गया है ।
- केन्द्रीय सांख्यिकी कार्यालय द्वारा(CSO) राष्ट्रीय आय की गणना के लिए आधार वर्ष 2011-12 से बदल कर वर्ष 2017-18 करने का प्रस्ताव है ।
- केन्द्रीय सांख्यिकी संगठन(CSO) तथा राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण कार्यालय(NSSO) का विलय कर नई संस्था
- **राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय(national statistical office)** को स्थापित करने का निर्णय लिया गया है ।
- राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण संगठन(national sample survey) की स्थापना वर्ष 1950 में हुई थी ।
- राष्ट्रीय सांख्यिकी आयोग(national sample survey organization) की स्थापना वर्ष 1950 में हुई थी ।
- राष्ट्रीय सांख्यिकी आयोग(national sample survey organization) की स्थापना सी.रंगराजन समिति की अनुशंसा पर स्वीकार की गई थी ।
- **सकल घरेलु उत्पाद (Gross Domestic Product)** – किसी भी देश कि घरेलू सीमा के भीतर किसी एक वर्ष मे उत्पादित कि गई सभी अंतिम वस्तुओं और सेवाओ के बाजार मूल्यों के समग्र योग को GDP कहते है।
- सकल घरेलु उत्पाद को निम्नलिखित सूत्र के माध्यम से व्यक्त किया जाता है।

विविध

- **महत्वपूर्ण दिवस**

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दिवस 2021

जनवरी	**समारोह की तिथि**
प्रवासी भारतीय दिवस	09 जनवरी
राष्ट्रीय युवा दिवस	12 जनवरी
सड़क सुरक्षा सप्ताह	11 - 17 जनवरी
सेना दिवस	15 जनवरी
राष्ट्रीय बालिका दिवस	24 जनवरी
सुभाष चन्द्र का जन्मदिन	23 जनवरी
गणतंत्र दिवस - 26 जनवरी	26 जनवरी
शहीद दिवस	30 जनवरी
फरवरी	**समारोह की तिथि**
विश्व कैंसर दिवस	4 फरवरी
वेलेंटाइन्स डे	14 फरवरी
संत रविदास जयंती	27 फरवरी
राष्ट्रीय विज्ञान दिवस	28 फरवरी
मार्च	**समारोह की तिथि**
राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस	4 मार्च
अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस	8 मार्च
ऑर्डिनेंस फैक्ट्री डे	18 मार्च
विश्व जल दिवस	22 मार्च
शहीद दिवस	23 मार्च and 30 जनवरी
अप्रैल	**समारोह की तिथि**
विश्व स्वास्थ्य दिवस	7 अप्रैल
जलियांवाला बाग नरसंहार	13 अप्रैल
अम्बेडकर जयंती	14 अप्रैल
विश्व पृथ्वी दिवस	22 अप्रैल
विश्व पुस्तक दिवस	23 अप्रैल
मई	**समारोह की तिथि**
अंतरराष्ट्रीय श्रमिक दिवस	1 मई
विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस	3 मई
राष्ट्रीय प्रोद्योगिकी दिवस	11 मई
मातृ दिवस	09 मई
अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस	15 मई
विश्व तम्बाकू निषेध दिवस	31 मई
जून	**समारोह की तिथि**
विश्व दुग्ध दिवस	1 जून
विश्व पर्यावरण दिवस	5 जून
विश्व रक्त दाता दिवस	14 जून
अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस	21 जून
दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय दिवस	26 जून
जुलाई	**समारोह की तिथि**
राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस	1 जुलाई
विश्व जनसंख्या दिवस	11 जुलाई
अगस्त	**समारोह की तिथि**
अंगदान दिवस	13 अगस्त
स्वतंत्रता दिवस	15 अगस्त
अंतर्राष्ट्रीय फोटोग्राफी दिवस	19 अगस्त
सद्भावना दिवस	20 अगस्त

अंतर्राष्ट्रीय वरिष्ठ नागरिक दिवस	21 अगस्त
राष्ट्रीय खेल दिवस	29 अगस्त
सितंबर	**समारोह की तिथि**
राष्ट्रीय पोषण सप्ताह	1-7 सितंबर
शिक्षक दिवस	5 सितंबर
अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस	8 सितंबर
हिन्दी दिवस	14 सितंबर
विश्व ओज़ोन दिवस	16 सितंबर
विश्व पर्यटन दिवस	27 सितंबर
अक्टूबर	**समारोह की तिथि**
राष्ट्रीय स्वैच्छिक रक्तदान दिवस	1 अक्टूबर
छुआछूत विरोधी सप्ताह	2 अक्टूबर
गांधी जयंती	2 अक्टूबर
अंतर्राष्ट्रीय पशु दिवस	4 अक्टूबर
अंतर्राष्ट्रीय दृष्टि दिवस	14 अक्टूबर (2nd गुरुवार)
प्राकृतिक आपदा निवारण के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस	13 अक्टूबर
विश्व विद्यार्थी दिवस	15 अक्टूबर
विश्व खाद्य दिवस	16 अक्टूबर
विश्व बचत दिवस	31 अक्टूबर
नवंबर	**समारोह की तिथि**
विश्व सुनामी जागरूकता दिवस	5 नवंबर
बाल अधिकार दिवस	20 नवंबर
बाल दिवस	14 नवंबर
राष्ट्रीय एकता दिवस	19 नवंबर
विश्व शौचालय दिवस	19 नवंबर
कौमी एकता सप्ताह	19-25 नवंबर
विश्व धरोहर सप्ताह	19-25 नवंबर
अंतर्राष्ट्रीय मांसहीन दिवस	25 नवंबर
संविधान दिवस	26 नवंबर
दिसंबर	**समारोह की तिथि**
विश्व एड्स दिवस	1 दिसंबर
राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण दिवस	2 दिसंबर
विश्व विकलांग दिवस	3 दिसंबर
डॉ. अम्बेडकर महापरिनिर्वाण दिवस	6 दिसंबर
अखिल भारतीय हस्तशिल्प सप्ताह	8-14 दिसंबर
मानव अधिकार दिवस	10 दिसंबर
राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस	14 दिसंबर
अल्पसंख्यको का अधिकार दिवस	18 दिसंबर
राष्ट्रीय गणित दिवस	22 दिसंबर
राष्ट्रीय किसान दिवस	23 दिसंबर
सुशासन दिवस	25 दिसंबर

- ***विश्व के प्रमुख देश, राजधानी एवं उनकी मुद्राओं की सूची:***

देश	**राजधानी**	**मुद्राएं (मुद्रा कोड)**
एशिया महाद्वीप के देश		
भारत	नई दिल्ली	रुपया
पाकिस्तान	इस्लामाबाद	पाकिस्तानी रुपया

इन्दिरा गोस्वामी	असमिया साहित्य	2000
राजेन्द्र केशव लाल शाह	गुजराती साहित्य	2001
डी.जयकानतन	तमिल साहित्य	2002
विन्दा करन्दीकर	मराठी साहित्य	2003
रहमान राही	कश्मीरी साहित्य	2004
कुँवर नारायण	हिन्दी साहित्य	2005
रवीन्द्र केलकर और सत्यव्रत शास्त्री	कोंकणी एवं संस्कृत साहित्य	2006
ए बी एन कुरूप	मलयालम साहित्य	2007
ए एम खान शहरयार	उर्दू साहित्य	2008
अमरकान्त व श्रीलाल शुक्ल	हिन्दी साहित्य	2009
चंद्रशेखर खम्बर	कन्नड़ साहित्य	2010
प्रतति रे	उड़िया साहित्य	2011
रावूरी भरद्वाज	तेलुगू साहित्य	2012
केदारनाथ सिंह	हिन्दी साहित्य	2013
बालचन्द्र नेमाडे	मराठी साहित्य	2014

- **विश्व के प्रमुख संगठन और उनके मुख्यालय –**

क्रमांक	**विश्व के प्रमुख संगठन**	**मुख्यालय**
1.	अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी)IAEA)	वियना, ऑस्ट्रिया
2.	अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष)IMF)	वाशिंगटन डी.सी ., अमेरिका
3.	अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय	हेग, नीदरलैंड
4.	अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन)ILO)	जेनेवा, स्विट्जरलैंड
5.	आर्थिक सहयोग और विकास संगठन)OECD)	पेरिस, फ्रांस
6.	अंतर्राष्ट्रीय ओलम्पिक समिति)IOC)	लुसाने, स्विट्जरलैंड
7.	अफ्रीकी आर्थिक आयोग)ECA)	आदिस – अबाबा, इथोपिया
8.	अफ्रीकी एकता संगठन)OAU)	आदिस – अबाबा, इथोपिया
9.	अरब लीग	काहिरा, मिस्र
10.	अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन)ISA)	हरियाणा, भारत
11.	उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन) नाटो /NATO)	ब्रुसेल्स, बेल्जियम
12.	दक्षिण पूर्वी एशियाई राष्ट्रों का संघ)ASEAN)	जकार्ता, इंडोनेशिया
13.	यूरोपियन परमाणु ऊर्जा समुदाय)EURATON)	ब्रुसेल्स, बेल्जियम
14.	यूरोपीय आर्थिक समुदाय)EEC)	जेनेवा, स्विट्जरलैंड
15.	यूरोपियन स्पेस रिसर्च आर्गेनाईजेशन)ESRO)	पेरिस, फ्रांस
16.	यूनेस्को)UNESCO)	पेरिस, फ्रांस
17.	यूनिसेफ)UNICEF)	न्यूयॉर्क, अमेरिका
18.	यूरोपीय कॉमन मार्केट)ECM)	जेनेवा, स्विट्जरलैंड
19.	यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ)ECTA)	जेनेवा, स्विट्जरलैंड
20.	यूरोपीय संसद	लक्ज़मबर्ग
21.	यूरोपीय ऊर्जा आयोग)EEC)	जेनेवा, स्विट्जरलैंड
22.	रेडक्रॉस	जेनेवा, स्विट्जरलैंड

23.	राष्ट्रमंडल)COMMONWEALTH)	लंदन, इंग्लैण्ड
24.	राष्ट्रमंडलीय राष्ट्राध्यक्ष सम्मलेन)CHOGM)	स्ट्रांसबर्ग
25.	विश्व बैंक	वाशिंगटन डी.सी ., अमेरिका
26.	विश्व स्वास्थ्य संगठन)WHO)	जेनेवा, स्विट्जरलैंड
27.	विश्व व्यापार संगठन)WTO)	जेनेवा, स्विट्जरलैंड
28.	विश्व वन्य जीव संरक्षण कोष)WWF)	ग्लांड, स्विटजरलैंड
29.	वर्ल्ड काउंसिल ऑफ़ चर्चेज)WCC)	जेनेवा, स्विट्जरलैंड
30.	संयुक्त राष्ट्र संघ)UNO / UN)	न्यूयॉर्क, अमेरिका
31.	संयुक्त राष्ट्र खाद्य और कृषि संगठन)FAO)	रोम, इटली
32.	संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी उच्चायोग)UNHCR)	जेनेवा, स्विट्जरलैंड
33.	संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम)UNEP)	नेरोबी, केन्या
34.	संयुक्त राष्ट्र व्यापार एवं विकास सम्मलेन)UNCTAD)	जेनेवा, स्विट्जरलैंड
35.	संयुक्त राष्ट्र औद्योगिक विकास संगठन)UNIDO)	वियना, ऑस्ट्रिया
36.	सार्क)SAARC)	काठमांडू, नेपाल
37.	अमरीकी राज्यों का संगठन)OAS)	वाशिंगटन डी.सी ., अमेरिका
38.	एमनेस्टी इंटरनेशनल	लंदन, इंग्लैण्ड
39.	एशियाई विकास बैंक)ADB)	मनीला, फिलीपींस
40.	एशिया और प्रशांत क्षेत्रों का आर्थिक और सामाजिक आयोग	बैंकाक, थाईलैंड
41.	इंटरपोल)INTERPOL)	ल्योन, फ़्रांस
42.	इंडियन ओशन कमीशन)IOC)	पोर्ट लुइस, मॉरीशस
43.	जनरल एग्रीमेंट ऑन टैरिफ्स एंड ट्रेड) गैट /GATT)	जेनेवा, स्विट्जरलैंड
44.	परस्पर आर्थिक सहायता परिषद)COMECON)	मास्को, रूस
45.	पेट्रोलियम उत्पादक देशों का संगठन)OPEC)	वियना, ऑस्ट्रिया
46.	पश्चिमी एशिया आर्थिक आयोग)ECWA)	बगदाद, इराक़
47.	संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम(UNDP)	न्यूयार्क
48.	संयुक्त राष्ट्र बालकोष (UNICEF)	न्यूयार्क
49.	मानव अधिवासन हेतु संयुक्त राष्ट्र केंद्र(UNCHS)	नेरोबी
50.	शान्ति हेतु विश्वविद्यालय(UFP)	कोस्टारिका
51.	अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF)	वाशिंगटन

विश्व के प्रुमख राष्ट्रीय स्मारक :-

स्मारक	**स्थान**
झुकी हुई मीनार	पीसा, इटली
पसर्थनान	एथेंस, यूनान
ग्रेट वाल	चीन
पिरामिड	गीजा, मिस्त्र
पवन चक्की	किंडर डिज्क, डेनमार्क
ताजमहल	आगरा, भारत
क्रेमलिन	मास्को, रूस
इम्पिरियल पैलेस	टोकियो, जापान

ओपेरा हाउस	सिडनी, ऑस्ट्रेलिया
एफिल टावर	पेरिस, फ्रांस
स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी	न्यूयार्क, अमेरिका

• भारत के प्रमुख संस्थान एवं उनके मुख्यालय

वैज्ञानिक और तकनीकी संस्थान एवं उनके मुख्यालय

1.वैज्ञानिक एवं तकनीकी परिभाषिक शब्दावली आयोग - नई दिल्ली
2.केन्द्रीय अंग्रेज़ी एवं विदेशी भाषा संस्थान - हैदराबाद
3.राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान - नई दिल्ली
4.राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ - तिरुपति
5.श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ - नई दिल्ली
6.राष्ट्रीय बाल भवन - नई दिल्ली
7.केन्द्रीय भारतीय भाषा संस्थान - मैसूर
8.भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद् - लखनऊ
9.भारतीय उच्चतर अनुसंधान परिषद् - शिमला
10.भारतीय समाज विज्ञान अनुसंधान परिषद्- नई दिल्ली
11.भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद् - नई दिल्ली
12.भारतीय विज्ञान संस्थान - बेंगलुरु
13.भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी एवं प्रबन्धन संस्थान - ग्वालियर
14.भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान - इलाहाबाद
15.केन्द्रीय हिन्दी संस्थान - आगरा
16.पर्यावरण संस्थान मुख्यालय / शुष्क भूमि अनुसंधान संस्थान - जोधपुर
17.केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड - दिल्ली
18.केन्द्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण - नई दिल्ली
19.सामाजिक वानिकी और पारिस्थितिकी पुनर्स्थापना संस्थान - इलाहाबाद
20.वन अनुसंधान संस्थान - देहरादून
21.जी.बी. पंत हिमालय पर्यावरण एवं विकास संस्थान - अल्मोड़ा
22.हिमालयन वन अनुसंधान केन्द्र - शिमला
23.भारतीय वन अनुसंधान एवं शिक्षण परिषद् - देहरादून
24.भारतीय वन प्रबन्धन संस्थान - भोपाल
25.भारतीय प्लाईवुड उद्योग अनुसंधान संस्थान - बेंगलुरु
26.वन आनुवंशिकी तथा वृक्ष प्रजनन संस्थान - कोयम्बटूर
27.वन उत्पादकता केन्द्र - राँची
28.वानिकी अनुसंधान तथा मानव संसाधन विकास संस्थान - छिंदवाड़ा (मध्य प्रदेश)
29.वर्षा वन अनुसंधान संस्थान - जोरहाट (असम)
30.लकड़ी विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान - बेंगलुरु
31.राष्ट्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान - फ़रीदाबाद
32.भारतीय वानस्पतिक सर्वेक्षण - कोलकाता
33.भारतीय प्राणी विज्ञान सर्वेक्षण - कोलकाता
34.भारतीय वन सर्वेक्षण - जोरहाट (असम)
35.उष्णकटिबन्धीय संस्थान - जबलपुर

श्रम संस्थान एवं उनके मुख्यालय

1.श्रम ब्यूरो संस्थान - चण्डीगढ़ और शिमला (हिमाचल)
2.वी.वी. गिरि राष्ट्रीय श्रम संसाधन - नोएडा (उत्तरप्रदेश)
3.केन्द्रीय श्रमिक बोर्ड - नागपुर (महाराष्ट्र)

• भारत के प्रमुख खेल

राष्ट्रमंडल खेल

- राष्ट्रमंडल खेल की कल्पना सन् 1891 में एक अंग्रेज "जे. एस्ले कपूर" ने की थी।
- राष्ट्रमंडल खेलों की शुरुआत 1930ई. में हेमिल्टन(बरमूडा) में हुई थी।
- राष्ट्रमंडल खेल का नाम ब्रिटिश साम्राज्य तथा सन् 1954 राष्ट्रमंडल खेल रखा गया।
- सन् 1908 के ओलम्पिक के बाद रिचर्ड कूम्बस नामक ऑस्ट्रेलियाई नागरिक के द्वारा उसके सुझाव को मंजूरी दे दी गई।
- 1934ई. में लंदन में होने वाले दूसरे राष्ट्रमंडल खेल में भारत ने पहली बार भाग लिया था।
- राष्ट्रमंडल खेल प्रत्येक चार वर्षों पर दो ग्रीष्मकालीन ओलम्पिक खेलों के बीच में होता है।
- राष्ट्रमंडल खेल कभी भी लगातार एक ही देश में नहीं होते हैं।
- राष्ट्रमंडल खेल में राष्ट्रमंडल के सदस्य देशों की टीम में भाग ले सकते हैं।

एशियाई खेल

- सन् 1947 में नई दिल्ली में एशियाई देशों के सम्मलेन में एशियाई देशों की अन्तर्राष्ट्रीय खेलों की स्पर्द्धा हर चार वर्ष पर आयोजित करने की योजना बनायी गई।
- प्रो. जी.डी. सोढी को इस प्रस्ताव का श्रेय जाता है, जिनका उद्देश्य खेलों के माध्यम से एशियाई देशों को एक-साथ करना था।
- एशियाई खेल संघ ने चमकते सूर्य को अपना प्रतीक चिह्न घोषित किया।
- पहले एशियाई खेलों की प्रतियोगिता का उद्घाटन 4 मार्च, 1951 को नई दिल्ली में हुआ था।

क्रिकेट

- क्रिकेट खेल की उत्पत्ति दक्षिण-पूर्वी इंग्लैण्ड में हुई मानी जाती है।
- इंग्लैण्ड मेलबर्न क्रिकेट क्लब की स्थापना 1787 ई. में हुई।
- भारत में कलकत्ता क्रिकेट क्लब की स्थापना 1792 ई. में हुई।
- इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल की स्थापना इम्पीरियल कॉन्फ्रेंस के रूप में 1909 ई. में हुई थी, जिसे बाद में इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस नाम दिया गया।
- खिलाड़ियों की संख्या 11 होती है।

- **राष्ट्रीय खेल**- 1. इंग्लैण्ड , 2. ऑस्ट्रेलिया।
- **माप**- 1. बॉल- 155.9 ग्राम से 163 ग्राम,
- बल्ला- लम्बाई 96.5 सेमी. , चौड़ाई अधिकतम 10.8 सेमी. ,

  2. पिच- 20.12 मीटर

विश्व कप क्रिकेट-

क्र. सं.	वर्ष	मेजबान देश	विजेता	उपविजेता
1.	1975	इंग्लैण्ड	वेस्टइंडीज	ऑस्ट्रेलिया
2.	1979	इंग्लैण्ड	वेस्टइंडीज	इंग्लैण्ड
3.	1983	इंग्लैण्ड	भारत	वेस्टइंडीज
4.	1987	भारत-पाकिस्तान	ऑस्ट्रेलिया	इंग्लैण्ड
5.	1992	ऑस्ट्रेलिया-न्यूजीलैण्ड	पाकिस्तान	इंग्लैण्ड
6.	1996	भारत-पाकिस्तान-श्रीलंका	श्रीलंका	ऑस्ट्रेलिया
7.	1999	इंग्लैण्ड	ऑस्ट्रेलिया	पाकिस्तान
8.	2003	दक्षिण अफ्रीका	ऑस्ट्रेलिया	भारत
9.	2007	वेस्टइंडीज	ऑस्ट्रेलिया	श्रीलंका
10.	2011	भारत-श्रीलंका-बांग्लादेश	भारत	श्रीलंका
11.	2015	न्यूजीलैण्ड-ऑस्ट्रेलिया	ऑस्ट्रेलिया	न्यूजीलैण्ड
12.	2019	इंग्लैण्ड	इंग्लैण्ड	न्यूजीलैण्ड

हॉकी

- हॉकी के वर्तमान स्वरूप का जन्म इंग्लैण्ड में 19वीं शताब्दी के मध्य में हुआ था।
- हॉकी क्लब की स्थापना 'ब्लैकहीथ' के नाम से पहले हुई थी, 1861 ई. में।
- हॉकी खेल के नियम विम्बल्डन हॉकी क्लब द्वारा बनाए गए, जिसे 1886 में हॉकी एसोसिएशन ने अपना लिया।
- हॉकी का पहला अन्तर्राष्ट्रीय मैच इंग्लैण्ड तथा आयरलैण्ड के बीच 1895 ई. में खेला गया।

- हॉकी को ओलम्पिक खेल में 1908 में शामिल किया गया।
- भारत में हॉकी का पहला क्लब 1885-86 में बना।
- भारत ने पहला ओलम्पिक हॉकी मैच 1928 में खेला था।
- खिलाड़ियों की संख्या 11 होती है।
- **राष्ट्रीय खेल-** 1. भारत, 2. पाकिस्तान।
- **माप-** 1. मैदान- 100 गज × 60 गज, 2. बॉल- 5.5 औंस से 5.75 औंस तक (भार)।

○ **विश्व कप हॉकी-**

क्र. सं.	आयोजन वर्ष	आयोजन स्थल	विजेता	उपविजेता
1.	1971	बार्सीलोना	पाकिस्तान	स्पेन
2.	1973	एम्सटर्डम	हॉलैण्ड	भारत
3.	1975	कुआलालम्पुर	भारत	पाकिस्तान
4.	1978	ब्यूनस आयर्स	पाकिस्तान	हॉलैण्ड
5.	1982	मुम्बई	पाकिस्तान	प. जर्मनी
6.	1986	लंदन	ऑस्ट्रेलिया	इंग्लैण्ड
7.	1990	लाहौर	हॉलैण्ड	पाकिस्तान
8.	1994	सिडनी	पाकिस्तान	हॉलैण्ड
9.	1998	यूट्रेक्ट	नीदरलैण्ड	स्पेन
10.	2002	कुआलालम्पुर	जर्मनी	ऑस्ट्रेलिया
11.	2006	जर्मनी	जर्मनी	ऑस्ट्रेलिया
12.	2010	नई दिल्ली	ऑस्ट्रेलिया	जर्मनी
13.	2014	द हेग	ऑस्ट्रेलिया	नीदरलैंड
14.	2018	भुवनेश्वर	बेल्जियम	नीदरलैंड
15.	2023	भुवनेश्वर और राउरकेला	-	-

फुटबॉल

- ब्रिटेन में फुटबॉल की शुरुआत रोमोनों ने की थी।
- प्राचीन रोमोनों ने फुटबॉल के खेल को अपनी सेना में शामिल किया था।
- फुटबॉल पहली सदी के आसपास चीन में खेला जाता था।
- फेडरेशन इंटरनेशनल डी फुटबॉल एसोसिएशन (फीफा) की स्थापना 1904 ई. में सात यूरोपीय देशों ने मिलकर की।
- 1846 में फुटबॉल खेल के नियमों को परिभाषित करने के लिए एक आदर्श संहिता इंग्लैंड में बनाई गई।
- फीफा का मुख्यालय स्विट्जरलैंड के ज्यूरिख में है।
- फीफा प्रत्येक चार वर्षों में फुटबॉल के विश्व कप का आयोजन करवाती है।
- फुटबॉल खेल के नियम इंटरनेशनल फुटबॉल एसोसिएशन बोर्ड (आई.एफ.ए.बी.) बनाती हैं, जिसमें फीफा के सदस्य भी रहते हैं।
- **माप-** 1. मैदान का माप- 100 मीटर × 64 मीटर से 110 मीटर × 75 मीटर तक
  2. गेंद का वजन- 396 ग्राम से 453 ग्राम,
  3. गेंद का आंतरिक दाब- 60 ग्राम/सेमी² से 110 ग्राम/सेमी²
  4. गेंद की परिधि- 68 से 71 सेमी.।
- खिलाड़ियों की संख्या- 11

○ **विश्व कप फुटबॉल**

क्र. सं.	आयोजन वर्ष	स्थान	विजेता	उपविजेता
1.	1930	उरुग्वे	उरुग्वे	अर्जेंटीना
2.	1934	इटली(रोम)	इटली	चेकोस्लोवाकिया
3.	1938	पेरिस(फ्रांस)	इटली	हंगरी
4.	1950	ब्राज़ील	उरुग्वे	ब्राज़ील
5.	1954	स्विट्जरलैंड	प. जर्मनी	हंगरी
6.	1958	स्वीडन	ब्राज़ील	स्वीडन
7.	1962	चिली	ब्राज़ील	चेकोस्लोवाकिया
8.	1966	इंग्लैण्ड	इंग्लैण्ड	प. जर्मनी
9.	1970	मैक्सिको	ब्राज़ील	इटली
10.	1974	प. जर्मनी	प. जर्मनी	नीदरलैंड

नोट – प्रिय पाठकों , ये हमारे नोट्स का एक सैंपल ही है , यदि आपको हमारे नोट्स के **सैंपल अच्छे लगे हों** तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **"हरियाणा CET (Common Eligibility Test)"** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें – 9887809083

प्रिय दोस्तों, अब तक हमारे नोट्स में से अन्य परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम -

EXAM (परीक्षा)	DATE	हमारे नोट्स में से आये हुए प्रश्न
RAS PRE. 2021	27 अक्तूबर	74 (cut off- 64)
SSC GD 2021	16 नवम्बर	68 (100 में से)
SSC GD 2021	30 नवम्बर	66 (100 में से)
SSC GD 2021	01 दिसम्बर	65 (100 में से)
SSC GD 2021	08 दिसम्बर	67 (100 में से)
राजस्थान S.I. 2021	13 सितम्बर	113 (200 में से)
राजस्थान S.I. 2021	14 सितम्बर	119 (200 में से)
राजस्थान S.I. 2021	15 सितम्बर	126 (200 में से)

RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	79 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	103 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	95 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	91 (150 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (1st शिफ्ट)	59 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	61 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (1st शिफ्ट)	56 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	57 (100 में से)
U.P. SI 2021	14 नवम्बर 2021 1st शिफ्ट	91 (160 में से)
U.P. SI 2021	21नवम्बर2021 (1st शिफ्ट)	89 (160 में से)

दोस्तों, इनका proof देखने के लिए नीचे दी गयी लिंक पर क्लिक करें या हमारे youtube चैनल पर देखें –

RAS PRE. – https://www.youtube.com/watch?v=p3_i-3qfDy8&t=136s

VDO PRE. – https://www.youtube.com/watch?v=gXdAk8S6W18&t=202s

Patwari – https://www.youtube.com/watch?v=X6mKGdtXyu4&t=103s

अन्य परीक्षाओं में भी इसी तरह प्रश्न आये हैं Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (Infusion Notes) पर इसकी वीडियो देखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें।

INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO FREE SAMPLE

संपर्क करें- 9887809083

ONLINE ORDER के लिए OFFICIAL WEBSITE	Website- https://bit.ly/haryana-cet-notes
नोट्स खरीदने के लिए इन नंबरों पर कॉल करें	+918233195718
TELEGRAM CHANNEL	https://t.me/infusion_notes
FACEBOOK PAGE	https://www.facebook.com/infusion.notes
WHATSAPP करें	https://wa.link/c93yfc

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO
FREE SAMPLE